XLRI in News

January 2020

PUBLICATION: The Financial Express
DATE: 24 January 2020
EDITION: All Edition
PAGE: 13

MUTUAL FUNDS

ESG Funds: For investing in firms with sustainable business models

Nifty ESG index has outperformed Nifty 100 since inception (2011) as well as in last one year on reward-to-risk basis

PANKAJ K AGARWAL & HK PRADHAN

ILLUSTRATION: SHYAM KUMAR PRASAD

ARE YOU THE kind of investor who wants good returns but wants to invest in companies that have sustainable business models and exhibit strong commitment for the environment and the society? Well, for investors like you fund houses have launched a new product called 'ESG Fund'.

ESG stands for Environmental, Social and Governance. ESG-investing is a strategy which involves investing in firms with a minimum ESG score. The ESG score ranges from 0-100 and is a weighted average of performance on various environmental, social and governance parameters. High ESG score indicates a firm being socially responsible, environment-friendly and robust in governance policies.

Such firms usually have lower risk of losses due to regulatory punishment, natural accidents or environmental controversies. Thus, in principle, high ESG score of a firm translates into enhanced value for investor. But does it lead to better returns too? A look at returns of recently created Nifty ESG index vs. its parent Nifty 100 indicates that the former has outperformed the Nifty 100 since inception (2011) as well as last one year, on Reward-to-Risk basis.

ESG mutual funds

For the conscientious retail investor, two ESG MF schemes have been launched in India by SBI MF and Quantum MF respectively. SBI Magnum Equity ESG Fund was launched in 2018 by re-categorising SBI Magnum Equity Fund whereas Quantum India ESG Equity Fund came into being in 2019.

The available pool of investable ESG firms is limited in India, unlike developed countries. Companies are waking up to identifying and reporting sustainability risks only at a snail's pace. That said; the bottom line is that ESG funds are definitely a good product and not just a passing fad. Then, should retail investors add ESG schemes in their portfolio? After all, aren't we generally advised against thematic funds as a class? Well, first, ESG investing is not really a new concept. Earlier also fund managers have always preferred sustainable firms; other things being equal. It is just that the current ESG paradigm provides a structured framework to filter firms, and that adds value. Given the growing emphasis on ESG factors in businesses all around, the future of the theme does look promising.

If you already hold a well-diversified portfolio, you may invest in ESG schemes and have some of the best firms in your kitty. However, for those who have just begun investing in MFs; have started small and are yet to achieve reasonable diversification in their portfolio, the right course would be to wait for these schemes to post longer-term performance numbers.

However, when index funds first came in Indian markets, many preferred to wait and watch. Performance data was allowed to accumulate and once the viability got established, index schemes just took off. If that happens with ESG funds too, given the global precedent, Indian MF industry is likely to have a new growth driver in them.

Pankaj K Agarwal is professor of finance, IMS Ghaziabad and H K Pradhan is professor of finance and economics, XLRI Jamshedpur

PUBLICATION:Dainik Bhaskar,DB Star
DATE:11 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

पांच कंपनियों के प्रॉब्लम के अलावा फेयर में ह्यूमन बिहेवियर पर भी होगा रिसर्च, फैशन शो, मिस जमशेदपुर और संगीत का होगा कार्यक्रम

एक्सएलआरआई में 41वां मैक्सी फेयर आज, इंटरटेनमेंट का होगा धमाल, सौरभ पंत और कुमार वरुण करेंगे कॉमेडी

सिटी रिपोर्टर • जमशेदपुर

देश का सबसे पुराना मार्केटिंग फेयर, इसके रिसर्च से कई प्रोडक्ट हुए लांचः निदेशक

एक्सएलआरआई जमशेदपुर के निदेशक फादर पी क्रिस्टी ने कहा - संस्थान का मैक्सी फेयर देश का सबसे पुराना और बड़ा मार्केटिंग फेयर है। इस फेयर के रिसर्च के आधार पर दुनिया की कई कंपनियों ने अपने प्रोडक्ट-सर्विसेस को लांच किया है। फादर क्रिस्टी शुक्रवार शाम को संस्थान के फादर प्रभु हॉल में आयोजित मैक्सी फेयर के समारोह को संबोधित कर रहे थे। फादर ने कहा - आर्थिक मुस्ती के इस दौर में इतना बड़ा फेयर आयोजित कराना आसान नहीं है। मार्केटिंग के प्रोफेसर संजीव वार्ष्णेय ने कहा- इस साल का 41वां मैक्सी फेयर है, फेयर के रिसर्च मेथड में कोई बदलाव नहीं किया है। इसके कॉन्सेप्ट्स, डिजाइन व प्रॉब्लम में बदलाव किया है। मैक्सी फेयर को हम दिल्ली कैंपस में भी करने जा रहे हैं लेकिन वहां पर फिजिकल नहीं डिजिटल होगा। मैक्सी फेयर के सेक्रेटरी अभिलाष नंदी ने कहा- दो दिन के इस फेयर में फन-इंटरटेमेंट के कई कार्यक्रम होंगे। फैशन शो और मिस जमशेदपुर के साथ गीत के कार्यक्रम भी होंगे। 12 जनवरी की शाम को देश के दो मशहूर कॉमेडियन सौरभ पंत व कुमार वरुण कॉमेडी से सबको हंसाएंगे। इस साल फेयर में आईटीसी व हिन्दुस्तान यूनिलिवर समेत पांच कंपनियों के प्रॉब्लम की समस्या का समाधान खोजा जाएगा।

ह्यूमन बिहेवियर पर रिसर्च: मेले में लोगों के व्यवहार को जानने के लिए शोध होगा। प्रो. वार्ष्णेय ने कहा- 5 कंपनियों के प्रॉब्लम के अलावा एक सोशल प्रॉब्लम पर भी शोध होगा। इसमें आदमी के बिहेवियर को जानने की कोशिश की जाएगी।

दिल्ली के बाद मुंबई कैंपस भी

जल्द : एक्सएलआरआई जमशेदपुर के निदेशक ने कहा- इस साल से हम दिल्ली कैंपस शुरू करने जा रहे हैं। पहली बार एक्सएलआरआई जमशेदपुर से बाहर निकल रहा है। दिल्ली के बाद हम जल्द ही मुंबई में भी अपना कैंपस शुरू करेंगे।

फेयर का उद्घाटन करते निदेशक व अन्य।

PUBLICATION:Dainik Jagran,City
DATE:12 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

*This content is licensed for personal use only, not for any commercial use.

मैक्सी फेयर का आगाज

खेल-खेल में दुनिया भर की कंपनियों के रिसर्च का हिस्सा बने **तीन हजार शहरवासी**

पहले दिन गीत, संगीत व नृत्य के साथ फैशन का दिखा जलवा

जमशेदपुर • एक्सएलआरआई जमशेदपुर के मैक्सी फेयर (मार्केटिंग फेयर) का आगाज शनिवार को हुआ। पहले दिन शहर के तीन हजार लोग खेल-खेल में कंपनियों के रिसर्च का हिस्सा बने। रिसर्च को गेम की शक्ल देकर उसे डोरेमन व शक्तिमान को रूप दिया गया। यही नहीं बड़े लोगों को टार्गेट के तहत एक प्रॉब्लम को जिंदगी ना मिलेगी दोबारा..नाम दिया है। कमेटी के अनुसार इस साल 5 कंपनियों ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए रिसर्च दिया है। इन कंपनियों में हिन्दुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एलायड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स, पोलिकैब और परफेटी वैन मेले। इन कंपनियों के प्रॉब्लम को रिसर्च फॉर्म में पेश किया है। गेम खेलने वाले लोगों को इस बात का एहसास नहीं होता है कि वे रिसर्च का हिस्सा हैं।

मिस और मिसेस जमशेदपुर के साथ डांस मेनिया

मैक्सी फेयर के पहले दिन कई इवेंट्स हुए, लेकिन मिस एंड मिसेस जमशेदपुर का मुकाबला आकर्षण का केंद्र रहा। सुबह हेल्दी जमशेदपुर, हैप्पी जमशेदपुर के ज़ुम्बा डांस से इवेंट्स का सिलसिला शुरू हुआ। इसके बाद किड्स फैशन शो हुआ, जिसमें 85 बच्चों ने रैंप पर जलवा बिखेरा। दोपहर में महिलाओं और कुछ पुरुषों ने मास्टर शेफ प्रतियोगिता में भाग लेकर पाक कला की बेजोड़ मिसाल पेश की। शाम को मिस एंड मिसेस जमशेदपुर के साथ डांस मेनिया इवेंट्स हुए

शहर के बच्चों ने क्लाईंबिंग, आर्चरी के साथ हेल्दी जमशेदपुर इवेंट में खानपान का उठाया लुत्फ

तीरंदाजी का लिया आनंद

आज स्टैंडअप कॉमेडियन सौरभ और कुमार वरूण करेंगे कॉमेडी

देश के मशहूर स्टैंड अप कॉमेडियन सौरभ पंत व कुमार वरूण की कॉमेडी का जलवा रविवार शाम को मैक्सी फेयर में दिखेगा। शाम साढ़े सात बजे से शुरू होने वाले इस कॉमेडी नाइट में प्रवेश मैक्सी फेयर के टिकट के जरिए ही होगा। इसके पहले दिन में पेंटिंग्स, किड्स डांस शो व जमशेदपुर फेवरिट फैमिली इवेंट्स होंगे। वहीं पहले दिन दो सौ प्रतिभागियों ने नृत्य और फैशन शो में अपना जलवे बिखेरा।

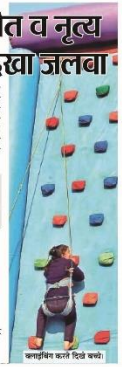

क्लाईंबिंग करते दिखे बच्चे।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar,DB Star
DATE:14 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 1

इंटरटेंमेंट | टाटा मोटर्स के व्हील्स 2020, एक्सएलआरआई के मैक्सी फेयर व एनआईटी के कल्चरल फेस्ट पर भी असर

बड़े आयोजनों पर औद्योगिक सुस्ती का असर, स्पांसर राशि कम मिलने से सेलिब्रिटी की जगह नए आर्टिस्ट से चलाना पड़ रहा काम

संजय प्रसाद • जमशेदपुर

औद्योगिक सुस्ती का असर शहर के बड़े आयोजनों पर साफ दिख रहा है। इन आयोजनों के लिए कंपनियों से मिलने वाली स्पांसर राशि कम होने से आयोजकों को बजट में कटौती करनी पड़ी है।

12 जनवरी को एक्सएलआरआई के मैक्सी फेयर की राशि इस साल आधी हो गई। इसके चलते मैक्सी कमेटी ने सेलेब्रिटी परफॉर्मेंस के बजट को कम किया, वहीं अंतिम दिन होने वाले बॉलीवुड सिंगर के परफॉर्मेंस को रद्द कर दिया। हर साल होने वाली कॉमेडी नाइट के लिए भी संस्थान को स्थापित कलाकारों की जगह उभरते स्टैंड अप कॉमेडियन से काम चलाना पड़ा। मैक्सी कमेटी के सेक्रेटरी अभिलाष नंदी ने कहा- इस साल सेलिब्रिटी परफॉर्मेंस में काफी कटौती करनी पड़ी, क्योंकि मैक्सी फेयर का जो स्पांसर आता था, वो आधा हो गया।

ऐसे में सेलेब्रिटी परफॉर्मेंस में कटौती के साथ कई दूसरे खर्च में भी कटौती की गई है। पहली बार हुआ, जब हमें भी स्पांसर तलाशने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। आलम यह हुआ कि फेयर में इस साल कई कंपनियों के साथ ही दुकानें भी फेयर में भाड़े पर दी गई, जो अक्सर नहीं होता था।

कंपनियों से मिलने वाली स्पांसर राशि कम होने से आयोजकों ने की बजट में कटौती

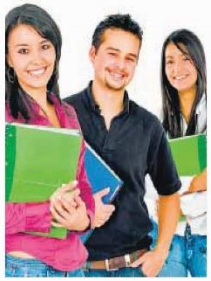

आयोजकों को स्पांसर राशि जुटाने में दिक्कत

व्हील्स-2020 में नवोदित कलाकार टाटा मोटर्स के जीईटी (ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनिंग) की ओर से 16 जनवरी से हो रहे मेगा टैलेंट फेस्ट व्हील्स 2020 के बजट में भी काफी कटौती की गई है। आयोजन समिति की आकांक्षा सिन्हा ने कहा- पहले तीनों दिन शाम को सेलिब्रिटी परफॉर्मेंस होता था, लेकिन इस साल केवल दो दिन हो रहा है। वह भी अंतिम दिन 19 जनवरी को होने वाले स्टार परफॉर्मेंस में नवोदित सिंगर अर्जुन कानूनगो को लाया जा रहा है। पहले अंतिम दिन दो बड़े कलाकार होते थे। आर्थिक सुस्ती की वजह से स्पांसर राशि जुटाने में काफी परेशानी हुई। कोशिश है कि फेस्ट की भागीदारी में कोई कमी नहीं हो। फरवरी में एनआईटी जमशेदपुर के होने वाले कल्चरल फेस्ट की हालत भी ऐसी ही है। आयोजन समिति इस फेस्ट को यादगार बनाने के लिए स्पांसर राशि जुटाने में लगी है। लेकिन आयोजन समिति से जुड़े लोगों का कहना है कि कल्ट फेस्ट में इस साल बड़े कलाकारों की जगह नए कलाकारों से काम चलाना होगा। इन तीनों आयोजनों मे 30 हजार से ज्यादा का भीड़ होती है।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE: 5 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 7

एक्सएलआरआई की जैट परीक्षा में डिसीजन मेकिंग के 21 सवाल पूछे जाएंगे

अब गणित के सवालों पर नहीं, निर्णय लेने की क्षमता के आधार पर पा सकते हैं एक्सएलआरआई में दाखिला

पांच जनवरी को होगा जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट

संजय प्रसाद|जमशेदपुर

अगर आपमें निर्णय लेने की क्षमता है तो आप एक्सएलआरआई जैसे अग्रणी बिजनेस संस्थान से एमबीए कर कारपोरेट वर्ल्ड के लीडर बन सकते हैं। एक दौर था जब इस संस्थान में दाखिला के लिए गणित के कठिन और दुरुह सवालों का जवाब देना जरूरी होता था।

संस्थान के एडमिशन चेयरपर्सन प्रोफेसर गुरुनाथन ने दैनिक भास्कर को बताया कि जैट (जेवियर एप्टीट्यूट टेस्ट) की प्रकृति में काफी बदलाव किया गया है। बकौल प्रोफेसर गुरुनाथन, हमारी कोशिश है कि इस परीक्षा की पहुंच हर परीक्षार्थी तक हो। ऐसा नहीं हो कि यह परीक्षा केवल इंजीनियरिंग के परीक्षार्थियों तक सिमट कर रह जाय। गणित जैसे विषय होने से ह्यूमिनिटी और दूसरे संकाय के परीक्षार्थियों को बेहतर अंक ला पाना मुश्किल होता है। 5 जनवरी को होने जा रहे जैट में 28 सवाल क्वांटिटेटिव होंगे। लेकिन सवाल गणित के फॉर्मूला आधारित नहीं होंगे। इन सवालों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि दसवीं स्तर तक गणित की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स भी इन सवालों का जवाब दे सके। इसके अलावा हमने डिसीजन मेकिंग के 21 सवाल रखे हैं, क्योंकि प्रबंधन की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को आगे चलकर अपनी कंपनी और संगठन के लिए अहम फैसले लेने होते हैं। ऐसे में जिन विद्यार्थियों में फैसले लेने की क्षमता होगी, उनकी सफलता का प्रतिशत बढ़ जाएगा। 26 सवाल रीजनिंग के होंगे, जो परीक्षार्थियों के रीजनिंग स्किल को टेस्ट करेंगे। 25 सवाल जीके (सामान्य ज्ञान) के भी होंगे, लेकिन उसकी गणना जैट के स्कोर में नहीं होगी। ग्रुप डिस्कशन और इंटरव्यू के बाद फाइनल मेधा सूची बनाने में जीके के स्कोर की भूमिका होगी। एक्सएलआरआई देश का पहला प्रबंधन संस्थान है, जिसमें सामान्य ज्ञान को भी शामिल किया गया है।

हमारी कोशिश है स्टूडेंट्स में डायवर्सिटी हो-डीन

संस्थान के डीन (एकेडमिक्स) आशीष के पाणी ने बताया कि एक्सएलआरआई की कोशिश है कि स्टूडेंट्स में डायवर्सिटी है। विविधता नहीं होने से एक तरह की सोच वाले स्टूडेंट्स इंडस्ट्री में आ रहे हैं। आजकल इंडस्ट्री भी चाहती है कि इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के अलावा नन इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि के स्टूडेंट्स भी नौकरी में आए। इंडस्ट्री के फीडबैक के आधार पर एक्सएलआरआई ने साइंस एंड टेक्नोलॉजी के अलावा ह्यूमिनिटीज, कॉमर्स और दूसरे क्षेत्र के स्टूडेंट्स को प्रोत्साहित कर रहा है, ताकि उनका चयन भी हो सके।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE:13 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

मित्रो...देश में सप्ताह में सात प्रधानमंत्री होने चाहिए...

मंडे मायावती, ट्यूजडे ममता बनर्जी, वेडनेसडे मोदी थर्सडे मुलायम, फ्राइडे केजरीवाल और सटर्डे राहुल

मैक्सी फेयर • कॉमेडी नाइट से अंजाम पर पहुंचा, सौरभ पंत और कुमार वरुण की बैक टू बैक परफॉर्मेंस ने खूब हंसाया

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

एक्सएलआरआई जमशेदपुर में चल रहे मैक्सी फेयर का समापन रविवार रात को क्रॉमेडी नाइट से हुआ। देश के दो मशहूर स्टैंड अप कॉमेडियन सौरभ पंत और कुमार वरुण की बैक टू बैक परफॉर्मेंस ने शहरवासियों को खूब हंसाया। सबसे पहले रात साढ़े आठ बजे सौरभ पंत मंच पर आए। उन्होंने देश की राजनीतिक स्थिति के साथ सामाजिक स्थिति पर तंज कर सबको गुदगुदाया। मित्रो...से शुरू यह परफॉर्मेंस देश की मौजूदा राजनीति से लेकर घर, परिवार और समाज पर जाकर खत्म हुई। टेलीविजन एंकर अर्णव से लेकर मोदी, अमित शाह और राहुल गांधी पर भी खूब चुटकी ली। उन्होंने कहा कि देश में सप्ताह के सातों दिन सात प्रधानमंत्री होना चाहिए, जिसमें हर दिन अलग-अलग पार्टियों के प्रधानमंत्री हो। मंडे मायावती, ट्यूजडे ममता बनर्जी, वेडनेसडे मोदी, थर्सडे मुलायम, फ्राइडे केजरीवाल और सटरडे राहुल गांधी...। अपने सपने को लेकर मुंबई जाने वाले लोगों के साथ ही शहर के स्कूल डीबीएमएस पर भी तंज कसा। विभिन्न कम्युनिटी के क्विज कराकर वाहवाही बटोरी। फिर कुमार वरुण ने बताया कि वे जमशेदपुर के हैं, मानगो के माउंट व्यू स्कूल से स्कूलिंग की। नोएडा शिफ्ट करने के बाद अपने इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट का जिक्र किया। पीछे खड़े लोगों से कहा- ऐसे लगा जैसे सारे एनआरसी के सर्टिफिकेट के लिए खड़े हैं।

एक्सएलआरआई में कार्यक्रम का लुत्फ उठाते लोग।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE:18 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE:6

एक्सएलआरआई में एचआर-आईआर क्रॉन्फ्रेंस का आज से आगाज

कॉर्पोरेट जगत के दिग्गज अपने क्षेत्र में बदलाव व चुनौतियों पर करेंगे चर्चा

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

एक्सएलआरआई में शनिवार से दो दिवसीय एचआर-आईआर कॉन्फ्रेंस का आगाज होगा। इस कॉन्फ्रेंस में देशभर के ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट व इंडस्ट्रियल रिसोर्स मैनेजमेंट के कई दिग्गजों का जमावड़ा होगा। इस दौरान टाइटन कंपनी लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट राज नारायण और अल्ट्राटेक सीमेंट के वाइस प्रेसिडेंट कश्यप थोर्वे समेत कई दिग्गजों का व्याख्यान होगा। वे अपने क्षेत्र में हो रहे बदलाव व चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस के दौरान पैनल डिस्कशन भी आयोजित होगा। द फॉर्मलेस ऑर्गेनाइजेशन एंड न्यू ऑर्गेनाइजेशनल फॉर्म विषय पर पैनल डिस्कशन में की नोट स्पीकर के रूप में भादुडी एंड एसोसिएट्स के अभिजीत भादुड़ी शामिल होंगे। वहीं बैटल एचरॉयल ग्रैंड फिनाले व एचआर ट्राइलेथॉन जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

ये प्रमुख वक्ता देंगे व्याख्यान

1. **अभिजीत भादुड़ी** : फाउंडर, अभिजीत भादुड़ी एंड एसोसिएट्स
2. **सुरेश दत्त त्रिपाठी** : वाइस प्रेसिडेंटी, एचआरएम, टाटा स्टील
3. **राज नारायण** : वाइस प्रेसिडेंट, टाइटन कंपनी लिमिटेड
4. **अमिताभ मुखर्जी** : हेड, कॉर्पोरेट रिसोर्सेज, आईटीसी
5. **शमिता चटर्जी** : हेड, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, एचआरडी, इंफोसिस
6. **अरविंद सुब्रमण्यम** : वाइस प्रेसिडेंट, एचआर, रिलायंस इंडस्ट्रीज
7. **विशाल बादशाल** : प्लांट हेड, टाटा मोटर्स
8. **अमृत अयुम्मा** : वाइस प्रेसिडेंट, एचआर, डिजीयो इंडिया
9. **कश्यप थोर्वे** : वाइस प्रेसिडेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट
10. **गौतम घोष** : ब्लॉगर-लेखक
11. **श्रद्धांजलि राव** : वाइस प्रेसिडेंट, एचआर, सैप इंडिया
12. **शिवादित्य बनर्जी** : हेड, एचआर, पीरामल फार्मा सोल्यूशन
13. **साहिल नायर** : सीनियर एसोसिएट डायरेक्टर, केपीएमजी

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE:20 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE:8

युवा परमामेंट नौकरी कम, फ्रीलांसिंग को दे रहे महत्व

एक्सएलआरआई जमशेदपुर में चल रहे नेशनल एचआर कॉन्फ्रेंस के दौरान उभर कर आई राय

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

एक दौर था, जब युवाओं की पहली पसंद स्थायी नौकरी होती थी। बदले दौर में आज का युवा स्थायी नौकरी कम, काम करने की आजादी को ज्यादा महत्व दे रहा है। एक्सएलआरआई जमशेदपुर में रविवार को हुए नेशनल एचआर कॉन्फ्रेंस में शिरकत कर रहे विभिन्न कंपनियों के शीर्ष पदाधिकारियों ने कहा - उद्योग की चौथी पीढ़ी की पसंद तेजी से बदली है। यही कारण है कि कंपनी में टिकने वाले कर्मियों की औसत समय में लगातार कमी आ रही है व नई पीढ़ी तेजी से नौकरियां बदल रही हैं। विभिन्न कंपनियों में एचआर पदों पर रहे और अभिजीत एसोसिएट्स के संस्थापक अभिजीत भादुड़ी ने कहा- इससे कंपनियों के अंदर का परम्परागत ढ़ाचा और हायराकी में तेजी से बदलाव आ रहा है। मैनपावर के बढ़ते स्किल और कम्पीटेंसी ने स्किल को नए जमाने की करेंसी बना दिया है, जिसके पास स्किल की करेंसी है, उसके पास नौकरियों की भरमार है। ऐसे में देश में मल्टीपल जॉब की प्रवृति भी बढ़ रही है, जिसके पास कोर कम्पीटेंसी है, वह फ्रीलांसर की तरह काम कर रहा है और एक साथ कई कंपनियों को अपनी सेवा दे रहा है। एचआर कंसलटेंट और फ्लिप कार्ड के पूर्व निदेशक गौतम घोष ने कहा - स्थायी नौकरी कम होने और फ्रीलांस जॉब बढ़ने की अपनी चुनौतियां भी हैं। टाटा स्टील के वीपी एचआरएम सुरेश दत्त त्रिपाठी ने कहा - कल्चरल एलाइन्मेंट के लिए हम लोगों को प्रशिक्षण दे सकते हैं ताकि वे कंपनी के कल्चर से अवगत हो सके। टाटा मोटर्स के प्लांट हेड विशाल बादशाह ने इंडस्ट्री की चौथी पीढ़ी (4.0) के अनुरूप एचआर पॉलिसी को बनाने पर प्रकाश डाला। इस विषय पर केएमपीजी के निदेशक (एचआर) साहिल नायर, पीरामल फार्मा सॉल्यूशन्स के हेड एचआर इंडिया शिवादित्य बनर्जी, सैप इंडिया की वीपी (एचआर) श्रद्धांजलि राव ने भी अपना विचार रखा।

कंपनियों में टिकने वाले कर्मियों के औसत समय में आई कमी

कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोग।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 23 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 7

एक्सएलआरआई को दुनिया के टॉप-30 बिजनेस स्कूल में किया शुमार

जमशेदपुर| वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम दाओस ने बुधवार को पॉजिटिव इम्पैक्ट रेटिंग (पीआईआर)-2020 को लांच किया। इसमें दुनिया भर के वैसे बिजनेस स्कूलों की रैंकिंग दी गई है, जिनका समाज पर सकारात्मक प्रभाव रहा है। इस सूची के टॉप-30 में एक्सएलआरआई जमशेदपुर का नाम भी शामिल है, जिसको मोस्ट पॉजिटिव इम्पैक्ट बिजनेस स्कूल माना गया है। संस्थान निदेशक फादर पी क्रिस्टी ने बताया कि एक्सएलआरआई के लिए यह गौरव की बात है कि वह दुनिया के उन टॉप-30 बिजनेस स्कूलों में शामिल है, जिसका सामाजिक प्रभाव काफी रहा है।

PUBLICATION:Dainik Jagran,City
DATE:11 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 1

आज से एक्सएलआरआइ के मैक्सी फेयर में धमाल

जासं, जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (पूर्व में एक्सएलआरआइ) द्वारा शनिवार से दो दिवसीय मैक्सी फेयर होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में दैनिक जागरण मीडिया पार्टनर है। एक्सएलआरआइ के फुटबॉल ग्राउंड में शनिवार से 41वां मैक्सी फेयर शुरू हो रहा है।

इसमें बच्चों, महिलाओं और कपल के लिए कई तरह के आयोजन होंगे। इसके लिए अभी तक 300 से ज्यादा इंट्री दर्ज हो चुके हैं। एक्सएलआरआइ के छात्रों के अनुसार इवेंट शुरू होने तक लाइव काउंटर रहेंगे, जिसमें इच्छुक उम्मीदवारों की इंट्री दर्ज किए जाएंगे।

सामाजिक बदलाव पर भी होगा रिसर्च

प्रो. संजीव वासने ने बताया कि मैक्सी फेयर में आने वाले शहरवासियों से देश में आने वाले सामाजिक बदलाव पर रिसर्च किया जाएगा। इसमें उनसे वाट्स एप, फेसबुक या अन्य सोशल साइट पर आने वाले कंटेंट पर किस तरह की प्रतिक्रिया देते हैं? इस पर जानकारी ली जाएगी।

एक्सएलआरआइ में शुक्रवार को मैक्सी फेयर का शुभारंभ करते प्रो. आशीष के पाणि, प्रो. संजीव वासने, प्रो. इजरेल, फादर पी क्रिस्टी (बायें से दायें) • जागरण

दीप प्रज्वलित करके मैक्सी फेयर का हुआ शुभारंभ

शुक्रवार शाम छह बजे फादर प्रभु हॉल में दीप प्रज्वलित कर इस फेयर का शुभारंभ कर दिया गया। इस मौके पर एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर पी क्रिस्टी, फादर जेरोम कुटिन्हा, मैक्सी फेयर के मेंटोर सह मार्केटिंग के प्रो. संजीव वासने, डीन ऑफ एकेडमिक प्रो. आशीष के पाणि व मार्केटिंग के हेड ऑफ डिपार्टमेंट प्रो. इजरेल व मार्केटिंग एसोसिएशन ऑफ एक्सएलआरआइ के सचिव अभिलाष नंदी सहित संस्थान के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

जानकारी परक

- 50 छात्र पांच कंपनियों की समस्याओं पर करेंगे रिसर्च
- 300 से ज्यादा इंट्री दर्ज, इवेंट शुरू होने तक दर्ज होती रहेगी इंट्री

जून से नई दिल्ली में दाखिला

फादर क्रिस्टी ने बताया कि देश के तीन शहरों में एक्सएलआरआइ के नए कैंपस खुलने जा रहे हैं। इसमें नई दिल्ली स्थित कैंपस से जून 2020 से दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। जल्द ही मुंबई और अमरावती में भी दाखिले की प्रक्रिया शुरू होगी। उन्होंने बताया कि जब नई दिल्ली कैंपस में दाखिला शुरू होगा तो वहां के छात्रों के साथ जमशेदपुर के छात्र मिलकर रिसर्च वर्क में शामिल होंगे।

रिसर्च के लिए हर टीम में 10-10 छात्र शामिल

एक्सएलआरआइ के छात्र-छात्राएं पांच कंपनियों की समस्याओं पर रिसर्च करेंगे। इनमें आइटीसी, हिन्दुस्तान यूनीलीवर्स, एलॉयड बिलेडर्स एंड डिस्ट्रीलर्स (एबीडी), परफैक्ट वेन मेल व पॉली कैब शामिल हैं। कंपनी की समस्याओं पर रिसर्च करने के लिए कुल पांच टीमें बनाई गई हैं। हर टीम में 10-10 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। वहीं, संस्थान के छात्र पहली बार हिन्दुस्तान यूनीलीवर्स की समस्या पर बिजनेस टू बिजनेस (बी 2 बी) के लिए जमशेदपुर, रांची व कोलकाता सहित उत्तर भारत के शहरों में जाकर शोध करेंगे।

छात्रों को मिलेगा सीखने का मौका : फादर क्रिस्टी

फादर क्रिस्टी ने बताया कि मैक्सी फेयर से संस्थान के छात्र-छात्राओं को सीखने का मौका मिलेगा। इसमें उन्हें रिसर्च मैथड, किसी कंपनी के मार्केटिंग कॉसेप्ट को समझने, आयोजन के स्पॉंसर्स और कॉर्डिनेशन जैसे विषय पर सीखने का मौका मिलेगा।

PUBLICATION:Dainik Jagran,City
DATE:12 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE:1

शहरवासियों ने मचाया धमाल, शर्मिष्ठा मिसेज जमशेदपुर

दैनिक जागरण है मैक्सी फेयर का मीडिया पार्टनर, आज कुमार वरुण व सौरभ पंत शहरवासियों को गुदगुदाएंगे

जासं, जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (पूर्व में एक्सएलआरआइ) द्वारा शनिवार को 41वें मैक्सी फेयर का शुभारंभ हुआ। पहले दिन एक्सएलआरआइ के फुटबॉल मैदान में बच्चे, युवा व महिलाओं ने जमकर मस्ती की और गेमिंग जोन के माध्यम से जमकर धमाल मचाया। वहीं, शाम में हुए मिसेज एंड मिस जमशेदपुर प्रतियोगिता हुई। जिसमें शहर की शर्मिष्ठा मिसेज जमशेदपुर का खिताब जीता।

एक्सएलआरआइ के मार्केटिंग एसोसिएशन द्वारा दो दिवसीय मैक्सी फेयर का आयोजन किया जा रहा है। पहले दिन बच्चों के लिए सेवेन अप एंड सेवेन डाउन, कप पॉन्ग, व्हील स्पीन, होपली सहित बच्चों, युवाओं व महिलाओं के लिए ऑनलाइन गेम की व्यवस्था की गई थी। इसमें सभी ने खूब मस्ती की। गेम जीतने वालों को तत्काल आकर्षक इनाम भी दिए गए। सुबह से शाम तक चले इस फेयर में हर वर्ग के शहरवासियों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित किए गए थे। मैक्सी फेयर में दैनिक जागरण मीडिया पार्टनर के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है।

बच्चों ने दिखाई प्रतिभा: मैक्सी फेयर में किड्स फैशन शो का आयोजन हुआ। इसमें विभिन्न स्कूलों से 80 बच्चे रैम्प पर उतरे। इसमें कोई भारतीय आर्मी का जवान बना था तो कोई सुभाषचंद्र बोस। कोई बच्ची सिंड्रेला बनी तो कोई परी। सभी बच्चों ने रैम्प वॉक कर अपनी प्रतिभा को दिखाया। प्रतियोगिता में के यशस्वी को पहला, एम ईशान को दूसरा व आरूषि को तीसरा पुरस्कार मिला। वहीं, सभी बच्चों को प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए स्मृति चिन्ह भी दिए गए।

जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (पूर्व में एक्सएलआरआइ) की ओर से शनिवार को 41वें मैक्सी फेयर का शुभारंभ हुआ। फेयर में लोगों ने जमकर मस्ती की। इस मौके पर पतंगों के साथ खिलखिलाती युवतियां • रवि चौधरी

30 टीमें डांस मेनिया में हुई शामिल कलाकारों के साथ दर्शक भी थिरकते रहे कार्यक्रम के दौरान

41 वें मैक्सी फेयर में हजारों लोग हुए शामिल, युवाओं ने जमकर की मस्ती, शाम तक चला फेयर

26 ने बिखेरा रैम्प पर जलवा

शाम में मिस एंड मिसेज जमशेदपुर का आयोजन किया गया। इसमें 26 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पहले राउंड में सभी प्रतिभागियों ने रैम्प वॉक किया और जजों के सवालों के जवाब दिए। वहीं, दूसरे टैलेंट राउंड में फिल्मी गीतों पर सभी डांस प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता में शर्मिष्ठा मिसेज जमशेदपुर का खिताब जीता। वहीं, दूसरे व तीसरे स्थान पर क्रमश मिस इशिता व मिस संजीदा रही। प्रतियोगिता में हर्षिता, नाज व प्रभा बतौर जज उपस्थित थीं।

मैक्सी फेयर के फैशन शो में रैंप पर जलवा बिखेरतीं युवतियां • जागरण

हेल्दी जमशेदपुर-हैप्पी जमशेदपुर से दिया स्वस्थ रहने का टिप्स

मैक्सी फेयर के दौरान बच्चों ने हेल्दी जमशेदपुर-हैप्पी जमशेदपुर प्रतियोगिता में योगा के माध्यम से शहरवासियों को स्वस्थ रहने के टिप्स दिए। इसमें बच्चों ने कई तरह के योगा कर शहरवासियों को भी अवगत किया।

चारू बनी मास्टर शेफ

मैक्सी फेयर में मास्टर शेफ का भी आयोजन हुआ जिसमें 40 महिलाओं व पुरुषों ने हिस्सा लिया। पहले क्विज राउंड में महिलाओं से कई तरह के सवाल पूछे गए। जिन्होंने सबसे ज्यादा सवालों का जवाब दिया उन्हें दूसरे टेस्ट राउंट में जाने का मौका मिला। जहां शेफ विल्सन ने सभी प्रतियोगियों को 11 तरह के सॉस चखने को दिया। जिन पांच महिलाओं ने सही जवाब दिया उन्हें तीसरे राउंड में कुछ चुनिंदा सॉस से सलाद बनाने को दिया गया। इसमें चारू वादवा विजेता बनी। जबकि मोनालिसा दूसरे व भरत गर्ग तीसरे स्थान पर रहे।

आज शाम कॉमेशी शो

रविवार शाम कॉमेडी शो है। इसमें देश के विख्यात कॉमेडियन सौरभ पंत और वरुण कुमार शहरवासियों को गुदगुदाने आ रहे हैं। वहीं, दिन भर कई तरह की प्रतियोगिताएं, क्विज आयोजित होंगे।

जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की ओर से आयोजित मैक्सी फेयर में प्रस्तुति देतीं कलाकार • जागरण

शहरियों ने किया डांस

मैक्सी फेयर की अंतिम शाम का समापन डांस मेनिया से हुआ। इसमें 30 टीमों ने हिस्सा लिया था। इस दौरान ग्रुप व सोलो डांस से शहरवासियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई।

दीप डांस व शिव तांडव

मैक्सी फेयर में दीप डांस ग्रुप के बच्चों ने नमो नमो शंकरा गाने पर शिव तांडव किया। यही ग्रुप ने पिछली बार मैक्सी फेयर डांस मेनिया के विजेता रहे थे। तीन मिनट के इस परफॉरमेंश में बच्चों ने भगवान शिव की विभिन्न मुद्राओं को अपने नृत्य से प्रस्तुत किया। ग्रुप में देवोषमिता, पलपल शर्मा, शोभा मंडल, रवनीत कौर व गुनगुन शामिल थी। दीप शिखा सेन बतौर मेंटोर उपस्थित थीं।

PUBLICATION:Dainik Jagran,City
DATE:18 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

एक्सएलआरआइ में नौवां राष्ट्रीय एचआर सम्मेलन आज से

जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ जमशेदपुर में स्टूडेंट एसोसिएशन फॉर प्रमोशन ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट और ह्यूमन रिसोर्स एंड इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 18 जनवरी से नौवां राष्ट्रीय एचआर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। दो दिवसीय इस सम्मेलन में देश भर की कई शीर्ष कंपनियों के एचआर जुटेंगे। जिसपर अभिजीत भादुड़ी एंड एसोसिएशन के संस्थापक अभिजीत भादुड़ी, आईटीसी के हेड कॉरपोरेट एचआर अमिताभ मुखर्जी, रिलायंस इंडस्ट्रीज के वाइस प्रेसिडेंट एचआर अरविंद सुब्रमण्यम, टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट एचआर सुरेश दत्त त्रिपाठी आदि मौजूद रहेंगे। (जासं)

PUBLICATION: Dainik Jagran,City
DATE: 23 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 1

एक्सएलआरआइ दुनिया के टॉप 30 पॉजीटिव इंपैक्ट रेटिंग में

जासं, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ - जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट ने ग्लोबल स्तर पर एक और उपलब्धि हासिल की है। इस प्रबंधन संस्थान को दुनिया के टॉप पॉजिटिव रेटिंग वाले संस्थानों में शीर्ष 30 में स्थान मिला है। वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम दावोस में बुधवार को यह रेटिंग जारी की गई। यह एक नए प्रकार की छात्र आधारित रेटिंग है जिसमें वर्तमान सामाजिक परिदृश्य में समाज पर सकारात्मक असर डालने में कौन सा संस्थान दुनिया में श्रेष्ठ है या दुनिया के लिए श्रेष्ठ है।

2017 में हुई थी इस रेटिंग की शुरुआत : पॉजिटिव इंपैक्ट रेटिंग (पीआइआर) की शुरुआत 2017 में प्रबंधन के विश्वस्तरीय एकादमिक संस्थाओं व इंस्टीट्यूशनल लीडर्स ने मिलकर की थी। इसका उद्देश्य बिजनेस स्कूल सेक्टर में आधारभूत सकारात्मक बदलाव लाना था ताकि इसका सकारात्मक प्रभाव समाज पर पड़ सके। इससे डब्ल्यूडब्ल्यूएफ स्विटजरलैंड (इन्वायरमेंट), सामाजिक संस्था ऑक्सफेम, ग्लोबल इंपेक्ट स्विटजरलैंड (बिजनेस) जुड़े हैं। इसके संचालन में ओइकोस इंटरनेशनल, नेट इंपैक्ट, एआइइएसइसी, एसओएस यूके, स्टूडेंटएन्वूरमॉर्गन जैसे छात्र संगठन जुड़े हैं। यह पहली बार है जब छात्रों ने दुनियाभर के बिजनेस स्कूलों का आकलन किया।

एक्सएलआरआइ के निदेशक ने जताई खुशी

एक्सएलआरआइ के निदेशक फादर पी क्रिस्टी ने इस बात पर खुशी जताई कि पॉजिटिव इंपैक्ट रिपोर्ट 2020 के प्रथम संस्करण में एक्सएलआरआइ को 30 लीडिंग ग्लोबल बिजनेस स्कूलों में शुमार किया गया है। उन्होंने कहा कि पीआरआर रिपोर्ट 2020 में मिली जगह से अपने विजन व मिशन की ओर और तेजी से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। इससे प्रबंधन शिक्षण को और अधिक सार्थक और उद्देश्योन्मुखी बनने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि दरअसल एक्सएलआरआइ का टैगलाइन ही है- फोर ग्रेटर गुड। बौद्धिकता, सामाजिकता, भावनात्मकता और आध्यात्मिकता एक्सएलआरआइ के डीएनए में है।

PUBLICATION:Dainik Jagran
DATE: 5 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

देशभर में जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट -2020 आज

जासं, जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट - एक्सएलआरआइ के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए हर साल होनेवाली प्रवेश परीक्षा जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट (जैट-2020) का आयोजन रविवार को जमशेदपुर सहित देशभर के विभिन्न केंद्रों में किया जाएगा। अखिल भारतीय स्तर पर इस प्रवेश परीक्षा का आयोजन एक्सएलआरआइ की ओर से पिछले 60 साल से किया जा रहा हे। जैट के स्कोर को देशभर के 150 से अधिक प्रबंधन संस्थान अपने यहां दाखिले में मान्यता देते हैं।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 7 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 7

एक्सएलआरआइ में 11 से होगी मैक्सी फेयर की मस्ती

जासं, जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआइ) में 41वें मैक्सी फेयर का आगाज 11 जनवरी से होने जा रहा है। दो दिनों तक चलने वाले इस मैनेजमेंट मेले में शहरवासियों को गुदगुदाने के लिए सौरभ पंत व कुमार वरूण जमशेदपुर पहुंच रहे हैं। कार्यक्रम में दैनिक जागरण मीडिया पार्टनर की भूमिका में है।

एक्सएलआरआइ मार्केट एसोसिएशन के छात्रों द्वारा पिछले 40 वर्षों से कॉलेज प्रांगण में मैक्सी फेयर का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य शहरवासियों का मनोरंजन करने के साथ-साथ प्रबंधन के गुर सीखने के लिए अनुसंधान करना है। इस मेले में इस बार बच्चों, बड़ों और महिलाओं के लिए कई तरह के खेलकूद की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। बच्चों के लिए पेंटिंग, फैशन शो और डांस तो महिलाओं के लिए मिस एंड मिसेज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। वहीं, मास्टर शेफ प्रतियोगिता में भी महिलाओं को प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। वहीं, इस मेले में कई तरह से लजीज व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए जा रहे हैं। एक्सएलआरआइ के छात्रों ने शहरवासियों को आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।

होंगी प्रतियोगिताएं

- **मैनेजमेंट इवेंट में दैनिक जागरण मीडिया पार्टनर की भूमिका में**
- **मेले में शहरवासियों को गुदगुदाएंगे सौरभ पंत व कुमार वरुण**

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE:10 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

एक्सएलआरआइ में मैक्सी फेयर का उद्घाटन आज

मैनेजमेंट मेला

- मैनेजमेंट स्कूल में 12 तक किया जाएगा मार्केट डिमांड पर रिसर्च
- शहर के लोगों को मेले में हिस्सा लेने के लिए छात्रों ने किया आमंत्रित

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआइ) के फादर प्रभु हॉल में शुक्रवार की शाम को मैक्सी फेयर का उद्घाटन किया जाएगा। मैक्सी फेयर की सचिव अभिलाष नंदी समारोह का विधिवत शुभारंभ करेंगी। इवेंट लांच होने के साथ ही इस बार एक्सएलआरआइ के छात्र अलग-अलग कंपनियों के लिए मैनेजमेंट विधा से रिसर्च करेंगे। पिछली बार छात्रों ने हिन्दुस्तान यूनीलीवर्स के साथ डिजिटल विषय पर रिसर्च किया था। इस बार अभिलाष नंदी बताएंगी कि इस बार किस कंपनी के साथ किस तरह का रिसर्च किया जाना है।

11 व 12 जनवरी को उमड़ेगी भीड़ : एक्सएलआरआइ के छात्रों द्वारा 11 व 12 जनवरी को एक्सएलआरआइ प्रांगण में मैक्सी फेयर का मेला लगाया जाएगा। इसमें बच्चे, बड़े और महिलाओं के लिए कई तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। युवाओं के लिए गेमिंग जोन बनाया गया है, जिसमें केटीएम राइड, जंपिंग राइड, बैलून शूटिंग सहित कई तरह के इवेंट होंगे। वहीं, महिलाओं के लिए मास्टर शेफ जबकि बच्चों के लिए फेस पेंटिंग, फैशन शो का आयोजन किया गया है। वहीं, मेले में हैंडीक्राफ्ट व खाने-पीने के भी कई तरह के स्टॉल लगाए जा रहे हैं। वहीं, 12 जनवरी की शाम सात बजे से शहरवासियों को गुदगुदाने के लिए दो हास्य कलाकार सौरभ पंत और कुमार वरूण भी जमशेदपुर पहुंच रहे हैं जो अपनी बातों से लोगों को गुदगुदाएंगे।

PUBLICATION:Dainik Jagran,City
DATE:13 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE:1

सप्ताह से हर दिन के लिए हमें सात प्रधानमंत्री चाहिए ...

एक्सएलआरआइ की ओर से आयोजित मैक्सी फेयर की अंतिम शाम सौरभ पंत व कुमार वरुण ने लोगों को खूब गुदगुदाया

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित 41वें मैक्सी फेयर की अंतिम शाम यादगार रही। इस दौरान कॉमेडियन सौरभ पंत और कुमार वरुण ने खूब गुदगुदाया।

पहला परफॉर्मेंस सौरभ पंत का था। एक्सएलआरआइ के फुटबॉल मैदान में आयोजित कार्यक्रम से पहले लोग ठंड से ठिठुर रहे थे लेकिन जैसे ही सौरभ पंत मंच पर चढ़े माहौल गरमा गया। हर थोड़ी देर में सौरभ यही कहते रहे, ये मेरे बच्चे हैं, इसलिए मैं राजनीति की बात नहीं करूंगा। बावजूद इसके मोदी से लेकर राहुल, अमित शाह, ममता तक सभी को अपनी चुटकुलों में लपेटा। सौरभ चुटकी लेते हुए कहा, सिर्फ एक मोदी से देश का भला नहीं होने वाला। हमें सात पीएम चाहिए। हर दिन के लिए एक अलग। सोमवार को माया, मंगल को ममता, बुध को कोई रेडी-वेडी है। गुरु को अपना यादव भइया, शुक्र को ठाकरे को सत्ता संभालने दो। शनिवार और रविवार को राहुल गांधी होंगे, क्योंकि अधिकतर लोग उस दिन काम नहीं करते। जोक सुनाते-सुनाते सौरभ बोले, मोबाइल से वीडियो बनाने वालों, आइटी सेल से तो नहीं हो न। कृपया अपने मोबाइल पॉकेट में रख लो, मुझे केस नहीं खाना है। सौरभ ने अधिकतर जोक अपने ऊपर सुनाए। टीवी पर आने वाले पहले सीरियल पर भी बोले, पहले कैसे-कैसे सीरियल आते थे। मेरी बहू छिपकली है...। मेरी सास भी कभी... थी... सुनते ही खूब ठहाके लगे।

लोटपोट हुए

- दैनिक जागरण रहा मैक्सी फेयर का मीडिया पार्टनर
- एक्सएलआरआइ के फुटबॉल मैदान में ठहाके लगाए लोग

दिन भर हुई कई प्रतियोगिताएं

दूसरे दिन रविवार सुबह कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान किड्स डांस, आर्ट अटैक, जमशेदपुर फेवरेट फैमिली जैसे आयोजन में बड़ी संख्या में बच्चे और युवा शामिल हुए।

एक्सएलआरआइ के फुटबॉल मैदान में लाफ्टर शो देखते लोग • जागरण

लोगों को गुदगुदाते सौरभ पंत • जागरण

मेरा जन्म जमशेदपुर में हुआ है

वरुण ने बताया कि उसका जन्म जमशेदपुर में ही हुआ है। उनके दादा जी चांडिल डैम के चीफ इंजीनियर थे। उसने मानगो माउंट व्यू स्कूल से पढ़ाई की। फिर परिवार नोएडा शिफ्ट हो गया। दिल्ली से स्कूल की पढ़ाई पूरी की। दादा जी चाहते थे कि मैं इंजीनियरिंग करूं। हर कोई आइआइटी जेईई देता है। सोचता है कि सब फोड़ देंगे, क्रैक कर देंगे। लेकिन बढ़िया कॉलेज में एडमिशन ले लिया। जब नहीं हुआ तो दादा जी चिल्लाए कि यूपी में पनवाड़ियों की तरह भरे कॉलेज से इंजीनियरिंग करके पान मसाला बेचोगे का..? ऐसी कॉलेज से इंजीनियरिंग की जिसे कोई जानता तक नहीं।

वजन कम करना है तो खाओ रांग फूड

सौरभ ने गुदगुदाया, यदि वजन कम करना है तो फोकस, अनुशासन और इट हमेशा रांग फूड। आदमी को फूड प्वाइजनिंग होगी तो कुछ खाएगा नही और पूरा समय कहीं और (टॉयलेट) में बैठे रहेंगे। फिर हंस पड़े लोग।

बंगालियत की भी...

सौरभ कहते है कि अंग्रेजी कविता पढ़ते थे, जैक एंड जिल... सिर फूट गया। बताओ कावेरी विवाद था क्या...? हिंदी में पढ़ते थे मछली जल की रानी है, बाहर निकालो.. अरे भई क्यों निकालो, बंगालियत की हद होती है। ओ बाबा हिल्सा फिश।

पीछे वाले एनआरसी का सर्टिफिकेट लिए खड़े हैं क्या

समारोह के दौरान काफी दर्शक पीछे खड़े थे। इन्हें देखकर वरूण ने कमेंट किया कि ये एनआरसी वाले हैं क्या जो अपने दादा का सर्टिफिकेट लेकर अंदर घुसना चाहते हैं।

प्रस्तुति देते कुमार वरुण • जागरण

एक्सएलआरआइ के फुटबॉल मैदान में रविवार को आयोजित लाफ्टर शो में ठहाके लगाते दर्शक • जागरण

PUBLICATION: Deccan Herald
DATE: 3 January 2020
EDITION: Bangalore
PAGE:11

Industrial Relations Code: Are apples same as oranges?

K R SHYAM SUNDAR

The Industrial Relations Code (IRC) introduced in Parliament recently has considerably revised penalties against truant employers upwards and used the concept of 'continuing offence' to impose the stiffer punishment option of imprisonment. However, the penal scheme suffers from some shortcomings.

For the first time, the IRC requires inquiry by an officer not below the rank of Under Secretary to the Government of India (and equivalently ranked official at the state level) before imposing the stipulated penalty for contraventions of some clauses. This arrangement is probably to remove reckless penal behaviour on the part of labour department officials and to ensure 'liberal' orientation of the government to promote 'ease of doing business'. But this is bad for three reasons, namely that it will lead to lobbying by the business class, create unnecessary bureaucratization of penal procedures, and the officer concerned may not have the time or the technical expertise to deal with labour matters.

Moreover, while the penal amounts may appear large, when discounted for inflation and given the magnitude of offences, say illegal retrenchment or closure, the amounts are not actually large at all.

The IRC, unlike the existing law, has stipulated imprisonment as a punishment for many of the contraventions on the part of employers (relating to retrenchment, closure, standing orders, etc.) only if the same offences are committed more than once. This becomes a joke in the case of say retrenchment and closure, especially the latter as one does not close a unit twice – to be sure, there may be a possibility of a partial closure (in which case the continuing offence concept will apply).

The question is: should the law wait for the employer to repeat an offence to impose imprisonment even if the first-time offence will have serious consequences? What prevents the employer from resorting to illegal actions concerning retrenchment and closure for

the first time and get away with meagre fines of Rs 1-10 lakh if he figures that the gain from violating the law is higher than the penalty. Worse, the clauses on penalties mention a range of fines, so the actual fine need not be close to the maximum amount.

On the other hand, in the case of workers and employees, even the first offence of commencing, continuing or otherwise acting in furtherance of an illegal strike or lockout under the Code is punishable with a fine or with imprisonment for up to one month or both. This means that an illegal strike/lockout is far more socially harmful than an illegal retrenchment/closure, which logic is curiously pernicious.

Interestingly, for offences concerning strike/lockout or breach of settlement described in Section 86 (15) to (18) and regarding unfair labour practices in Section 6 (unfair labour practices), the principle of equality that the illegal actions of workers/trade unions will be equal to those by employers/management has been invoked and hence the same monetary penalty, with or without the imprisonment is provided for even for a first-time offence. For example, any person who for the first time instigates or incites others to take part in, or otherwise acts in furtherance of, an illegal strike or a lockout is punishable with fine of Rs 10,000-50,000 or with imprisonment up to one month or both [S.86(15)].

It is important to note that a breach of a settlement or an award or an unfair labour practice by the workers/trade unions may not have equal significance in practice though in principle a violation irrespective of who commits it can be seen with a mathematical equality logic. For example, can we say that unfair labour practices on the part of workers/trade unions, such as illegal strikes or a go-slow, have equal import or impact with respect to the unfair labour practice on the part of employers such as victimisation of union members/leaders by discharge/dismissal?

The unfair labour practices of workers deserve disciplinary action but discharge/dismissal of workers by employers will mean loss of livelihoods for workers and they have to wage long and hard battles to get reinstated in case of wrongdoing by the employers. On the other hand, for the employers, there is no threat to livelihood due to any of the unfair labour practices with reference to the employer, like illegal strike or go-slow or damage to the property, though revenue loss may occur to the employer.

Even a casual reading of the list of unfair labour practices shows far more numerous actions by employers which could hurt jobs or incomes of workers and the basic democratic rights of workers, that of freedom of association and collective bargaining. Their actions can put a free and democratic society at peril. So, it is a double whammy for workers/trade unions. For the law to equate the actions of the employers with those of workers/trade unions is faulty. It is essential to recognise the basic structural conditions of imbalance in the power and economic resources between labour and capital in the industrial relations system. Otherwise, we end up valuing gold and copper equally as both are metals in a generic sense. The normative and legal deficits in such a perspective as employed in the IRC will have serious consequences in our pursuit of promotion of a strong democratic and pluralistic, industrial society. Hence, the lawmakers need to carefully tread these landmines when they deliberate on these provisions and pass the law.

(The writer is Professor, XLRI, Xavier School of Management, Jamshedpur)

PUBLICATION: Hindustan Times
DATE: 22 January 2020
EDITION: Mumbai
PAGE: 11

APPLY FOR A 1-YEAR FAST TRACK MBA

Great Lakes Institute of Management, which has campuses in Chennai and Gurgaon, has announced admission deadline of January 31 for its one year full-time Postgraduate Program in Management, a fast track MBA for professionals with over two years of work experience.

The institute has a global faculty strength and offers extensive industry networking and experiential learning opportunities.

The applicants are required to appear for GMAT/CAT/XAT/CMAT before applying. The work experience of two years must be completed by April 30.

To learn more log on to www.greatlakes.edu.in

PUBLICATION:Hindustan
DATE:11 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

एक्सएलआरआई में मैक्सी फेयर का आगाज

जमशेदपुर | वरीय संवाददाता

एक्सएलआरआई के सालाना उत्सव मैक्सी फेयर का आगाज हो चुका है। 11 और 12 जनवरी को आयोजित होने वाले इस फेयर का शुक्रवार शाम एक्सएलआरआई के फादर पी प्रभु हॉल में विधिवत उद्घाटन किया गया। इसमें कॉलेज के प्राचार्य फादर पी क्रिस्टी, एकेडमिक डीन आशीष के पानी, मार्केटिंग विभाग के प्रो. संजीव बसु और प्रो. इजरायल शामिल थे।

मौके पर प्रेसवार्ता के दौरान बताया गया कि इस दो दिवसीय फेयर बच्चों से लेकर बड़ी उम्र तक के लोगों के लिए कई तरह के कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। इनमें मास्टर शेफ, डांस मेनिया, मिस्टर एंड मिस जमशेदपुर, हेल्दी जमशेदपुर-हैप्पी जमशेदपुर, क्विजिकली योर्स, आर्ट अटैक, किड्स डांस, किड्स फैशन शो आदि प्रमुख रहेंगी। सभी कार्यक्रमों का आयोजन एक्सएलआरआई के फुटबॉल मैदान में होगा। फेयर में पास के माध्यम से प्रवेश मिलेगा।

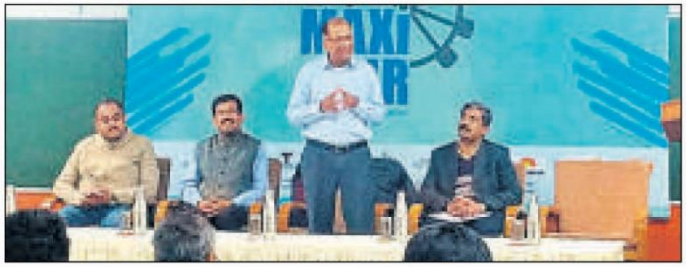

शुक्रवार को प्रेसवार्ता करते एक्सएलआरआई के फादर पी प्रभु व अन्य। ● हिन्दुस्तान

12 को ठहाकों से गूंजेगा एक्सएलआरआई : प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि दो दिवसीय फेयर में विशेष आकर्षण 12 जनवरी को कॉमेडी प्रो शो से होगा। इसमें मशहूर स्टैंडअप कमेडियन सौरव पंत और कुमार वरुण जमशेदपुरवासियों को जमकर हंसाएंगे। कॉमेडी प्रो शो के साथ ही इस दो दिवसीय मैक्सी फेयर का समापन होगा।

नई दिल्ली और मुंबई में खुलेंगे कॉलेज : प्राचार्य फादर पी क्रिस्टी ने बताया कि एक्सएलआरआई जल्द ही नई दिल्ली में भी अपना कॉलेज खोलने जा रहा है, जहां सत्र 2020-22 से पढ़ाई भी शुरू हो जाएगी। इसके बाद मुंबई में भी एक कॉलेज खोलने का लक्ष्य है, जिसके लिए तैयारियां चल रही हैं।

PUBLICATION:Hindustan
DATE:12 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE:4

एक्सएलआरआई में जुम्बा पर थिरके कई परिवार

जमशेदपुर। एक्सएलआरआई के फुटबॉल मैदान में शनिवार को शहर के कई परिवारों की शुरुआत स्वास्थ्य के प्रति संजीदगी दिखाते हुई।

एक्सएलआरआई की ओर से आयोजित मैक्सी फेयर-2020 के पहले दिन कार्यक्रम की शुरुआत हेल्दी जमशेदपुर-हैप्पी जमशेदपुर प्रतियोगिता के साथ हुई। इसमें शहर के 60 से अधिक परिवार जुम्बा पर थिरकते नजर आए। इस दौरान तलवारकर ग्रुप के विशेषज्ञों की ओर से कई तरह की हेल्थ टिप्स भी दिए गए। इसके बाद किड्स फैशन शो का आयोजन हुआ। इसमें शहर के 85 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने रंग-बिरंगे परिधान पहनकर रैम्प वॉक किए। किड्स फैशन शो के बाद गृहणियों के लिए मास्टर शेफ प्रतियोगिता हुई। इस प्रतियोगिता का संचालन गोल्डन लीफ रिसॉर्ट के शेफ विल्सन ने की। उन्होंने प्रतिभागियों के बीच कुकिंग पर आधारित एक क्विज का भी आयोजन किया और कई जरूरी टिप्स दिये।

PUBLICATION:Hindustan
DATE:20 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

भावी मैनेजरों ने इंडस्ट्रीज 4.0 के प्रभाव और बदलाव जाने

कर्मचारियों को अपग्रेड होना पड़ेगा : अभिजीत

एक्सएलआरआई में रविवार को सेमिनार में अभिजीत भादुड़ी एवं इंडस्ट्रीज के नौ वक्ता इंडस्ट्रीज 4.0 के बारे में जनकारी देते।

एक्सएलआरआई

जमशेदपुर | संवाददाता

इंडस्ट्रीयल 4.0 से इंडस्ट्रीज जगत में काफी बदलाव होंगे। इंडस्ट्रीज में अधिकतर काम ऑटोमेट हो जाएगी। अधिकतर काम मशीन के माध्यम से होने लगेंगे।

आने वाले दिनों में काम करने से लेकर सोचने तक का काम मशीन ही करेगी। बदलाव होने से इंडस्ट्रीज पर भी प्रभाव पड़ेगा। विशेषकर एचआर मैनेजरों को इंडस्ट्रीज को चलाने की चुनौतियों से निपटना होगा। यह बातें एसोसिएट्स के संस्थापक अभिजीत भादुड़ी ने रविवार को एक्सएलआरआई स्टूडेंट एसोसिएशन फॉर प्रमोशन ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट और मन रिसोर्स एवं इंडस्ट्रीयल मैनेजमेंट की ओर से आयोजित दो दिवसीय नौवें राष्ट्रीय एचआर कांफ्रेंस के अंतिम दिन कहीं। कार्यक्रम में अगल-अलग इंडस्ट्रीज के नौ वक्ता उपस्थित थे। सभी ने भावी मैनेजरों को इंडस्ट्रीज 4.0 के बारे में जानकारी दी। सभी ने इंडस्ट्रीज 4.0 से इंडस्ट्रीज में होने वाले बदलाव तथा इसके प्रभाव के बारे में बताया। कार्यक्रम में टाटा मोटर्स प्लांट के हेड विशाल बादशाह, डीआईएजीईओ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट अमृत अयम्मा, फ्लिपकार्ट के पूर्व डायरेक्टर गौतम घोष, केपीएमजी के सीनियर एसोसिएट डायरेक्टर साहिल नायर, परिमल फार्मा सोल्यूशन के एचआर हेड शिवदित्य बनर्जी, सैप इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट श्रद्धांजलि राव, एल एंड डी, अल्ट्राटेक सीमेंट के वाइस प्रेसिडेंट बिजनेस सेंटर टी.आर कश्यप तथा एक्सएलआरआई के एचआर की असिस्टेंट प्रोफेसर व मॉडरेटर डॉ. टीना स्टीफन शामिल थे।

PUBLICATION: Mail Today
DATE: 28 January 2020
EDITION: New Delhi
PAGE: 20

XLRI FEATURED IN THE LIST OF TOP 30 GLOBAL BUSINESS SCHOOLS

XLRI- Xavier School of Management has featured in the first edition of Positive Impact Rating 2020, launched at the World Economic Forum in Davos. The Positive Impact Rating (PIR) is a radically new student-based rating measuring the positive impact of business schools. It aims to change the thrust of existing rankings from leading schools to be the best in the world to be the best for the world. The Rating was initiated in 2017 by a large global group of academics and institutional leaders from the management education field (GRLI, PRME, HESI, GBSN).

PUBLICATION: New Indian Express
DATE: 22 January 2020
EDITION: Kochi
PAGE: 3

SAY YOUR PEACE

A Certificate Programme in Peace Studies was recently organised in the city by the Loyola Institute of Peace and International Relations

Pic ● Arun Angela

Shevlin Sebastian

Sreemulanagaram Mohan, former secretary of the Kerala Lalithkala Akademi, was born in a Hindu family. Even then, he says he has visited the St Mary's Church at Kanjoor quite often. According to a documentary, the annual feast at the church that honours St Sebastian sees over a hundred chenda players. It is believed that Goddess Bhagavathy of the nearby Puthiyedam Temple, situated to the south of the church, is St Sebastian's sister. Naturally, the saint of this church has many Hindu followers.

Illus ● Amit Bandre

A 20-member group, comprising participants of the Certificate Programme in Peace Studies jointly organised by the Xavier Labour Research Institute (XLRI) of Jamshedpur and Loyola Institute of Peace and International Relations (LIPI), seemed rapt after learning about the story behind the church. The three-month programme that conducts one session every fortnight with classes and projects, concluded a few days ago.

The participants included a mix of lawyers, teachers, college lecturers, social activists and artists. As for the faculty, the list included Dr K Babu Joseph, former vice-chancellor of Cochin University of Science and Technology, M P Mathai, an adjunct professor at Gujarat Vidyapeeth specialising in non-violence, Dr Jacob Thomas IAS, former chairman of the Cochin Port Trust, and noted social worker Daya Bhai.

Asked the reasons behind setting up the programme, Fr (Dr) Binoy Pichalakkattu SJ, director of LIPI says, "We live in a world filled with ethnic conflicts, violence against women, and religious fundamentalism. Hence, promoting peace and reconciliation is the need of the hour. We are training people to be skilful at conflict resolution and be ambassadors of peace." It discussed various facets of sociology, including human rights and justice, conflict resolution, communal harmony, and science and technology for peace and art.

"Human beings have a paradoxical nature. Both good and bad reside in our hearts. While one part is all about violence and atrocities, the other promotes peace and justice. Unfortunately, today, the darkness is dominant. This is the result of overwhelming consumerism and the desire for power, prestige and popularity," says Fr Benoy, elaborating on the endless wars and conflicts prevailing in the world despite all the talk about peace that has been going on for years now.

He is also worried about communalism that is creeping up in the country.

"These days, the thinking pattern is binary; it has become the 'I'm right and you are wrong' perspective. We need to promote a counter-culture and give examples like that of Mahatma Gandhi. He was rooted in Hinduism, yet embraced the Quran and the Bible. There is an urgent need to encourage people to be more broad-minded."

Fr Binoy also believes that peace studies should be introduced in schools and colleges. "This will enable youngsters to look beyond religion when they hold positions of responsibility," he adds.

The participants of the programme also shared a unique experience. "The participants were from different segments of society and included an agriculturist. All of them shared their thoughts and experiences. It was enriching," says Vinod Jabar, a lawyer.

> **We live in a world filled with ethnic conflicts, violence against women, and religious fundamentalism. Hence, promoting peace and reconciliation is the need of the hour**
>
> —**Fr (Dr) Binoy Pichalakkattu S J,** director, Loyola Institute of Peace and International Relations

PUBLICATION:Pioneer
DATE: 5 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

Aspiring managers appear in XAT 2020

PNS ■ JAMSHEDPUR

Thousands of aspiring managers from the city appeared for Xavier Admission Test, 2020 (XAT), conducted by XLRI along with their counterparts from various centres across the country.

The pattern of the paper was similar like last year with a general knowledge section. The first paper with 84 questions in quantitative ability, verbal ability and reasoning and decision making had to be answered in 2 hrs 20 mins while the general knowledge section with 30 questions was given 40 minutes. XLRI added general knowledge a couple of years ago to choose its students from general streams rather than only engineers.

The test was conducted across three centres in the city -DBMS English School, Al Kabir Polytechnic, TCS-Ion on NH-33.

In total there were over 65,000 students that appeared in 229 across 79 cities in the country. About 1100 students appeared in Jamshedpur.

The pattern of the paper was somewhat different from last year. The exam is comprised of two papers- Paper I which is also the main paper had 74 questions divided into three sections- English and logical reasoning; decision making and third section being quantitative ability and data interpretation. Paper II was general knowledge section with 25 questions. The total time allotted for XAT was three hours starting from 9:30 am to 12:30 pm. There was a 0.25 marks negative marking for wrong answers.

Students in Jamshedpur said that the paper was moderate with quantitative ability being easier as compared to English. Overall, students who appeared in the city based centres said that English was the most difficult part as compared to quantitative ability and decision making.

XLRI conducts the XAT exam on behalf of XAMI for more than 60 years at all India level. Besides XLRI, the XAT score is used by more than 150 institutes for the admission across India. Since 2018, the XAT has adopted the online test mode. From 2020, XAT has increased the number of examination centres. XAT 2020 would be conducted from 72 centers all across India that will include the following cities:

Agra, Ahmedabad, Allahabad, Ambala, Amravati, Amritsar, Bengaluru, Berhampur, Bhatinda, Bhilai Nagar, Bhopal, Bhubaneswar, Bokaro Steel City, Chandigarh/Mohali, Chennai, Coimbatore, Cuttack, Dehradun, Delhi-NCR, Dhanbad, Dibrugarh, Durgapur/Asansol, Ernakulam, Gandhinagar, Goa, Gorakhpur, Guwahati, Gwalior, Hooghly, Hubballi(Hubli), Hyderabad, Indore, Jabalpur, Jaipur, Jammu, Jamshedpur, Kannur, Kanpur, Kolkata, Kota, Kottayam, Kurnool, Kurukshetra, Lucknow, Ludhiana, Madurai, Mangalore, Mumbai, Mysuru (Mysore), Nagpur, Nashik, Patna, Pune, Raipur, Rajahmundry, Ranchi, Roorkee, Rourkela, Sambalpur, Siliguri, Surat, Thiruvananthapuram, Tiruchirappalli, Tirupathi, Tiruvallur, Udaipur, Udupi, Vadodara, Varanasi, Vijayawada, Visakhapatnam.

PUBLICATION:Pioneer
DATE: 5 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

XLRI ALUMNUS TOPS GLOBAL 'AI' EXPERTS PANEL

Delhi NCR based 5Jewels Research's Chief Analyst, Sumant Parimal, who studied from XLRI, Jamshedpur and previously working as IT Manager at SAIL-CET, Ranchi, has been selected and toped in 'AI' (Artificial Intelligence) Global Experts Panel of reputed Forbes magazine. In two months long on-line run experts' panel on 'AI', in which reputed experts of IT and 'AI' from America, Europe, Asia, Australia have participated, and moderated by New York based Frank Kovacs, ratings of Sumant Parimal remained highest, and declared as Top Most 'AI' Expert of this Panel. He has been only expert from India selected in this Global 'AI' Experts Panel of Forbes. As it is known, 'AI' and Robotics are of special interest for World's reputed Tech. companies like IBM, Google, Microsoft, Amazon. Apart from this, developed countries of the World like America, China, Germany, Japan, are intensively focusing in this new technology for establishing their leadership. In this scenario, emergence of an Indian thought leader in new 'AI' Technology as Top Most Thought Leader in a Global Platform of Forbes demonstrates potentials of India in leading the 'AI' race.

PUBLICATION:Pioneer
DATE: 8 January 2020
EDITION: New Delhi
PAGE: 14

XAT Analysis

The score of this exam used by institutes like SP Jain, IMT Ghaziabad, XIM Bhubaneshwar and GIM Goa for their Business and Human Resource Managment programmes was moderately easy to difficult, says ANKUR JAIN

The XAT 2020, conducted by XLRI Jamshedpur for admission to their Business Management and Human Resource Management programmes, was conducted on January 5, 2020. The score is also used by many reputed institutes like SP Jain, IMT Ghaziabad, XIM Bhubaneshwar and GIM Goa as a part of their admission process.

In terms of the pattern, it was similar to the last year's paper. The total number of questions this year was 75. The paper had two parts — Part-I and Part-II.

- Verbal and Logical Ability
- Decision-making Ability
- Quantitative Ability and Data Interpretation

Part-II comprised of General Knowledge

The duration of the test was 165 minutes for the first part and 15 minutes for the second.

All questions carried equal marks with negative marking (one-fourth of a mark for a wrong answer). There was a negative marking of 0.1 for un-attempted questions, for such questions over and above eight. Though the directions clearly stated the above-mentioned marking scheme however within the paper it was showing zero as negative marking for set-based questions. We believe that it was an error and the marking scheme would remain as what was mentioned in the directions.

The section on General Knowledge did not have any negative marking and the marks scored in this section would be used for evaluation only after the initial screening — these will not be used for the shortlisting of candidates for the group discussion, written ability test round.

The verbal and logical ability section was a mixed bag of moderately easy/difficult and difficult questions. The vocab-based questions were not challenging. The RC passages were not difficult to follow and they were of shorter length than those of last year. But the RC questions involved a lot of critical thinking.

The VA segment had a total of 11 questions. Of the five critical reasoning (CR) questions, two could surely be attempted without going wrong.

Of the two para formation questions, one was easy (the answer options could be used to arrive at the right order) while the other had lengthy sentences and it was relatively challenging to spot the logical connections between the sentences. One of the two should have been surely attempted without going wrong.

Both the passages could be attempted with the help of the thought flow of the context itself without going wrong.

The CR questions tested the candidate on intent of the speaker, inferences and relationship between studies. These CR question types on the XAT resembled the GMAT CR question types.

> **The vocab-based questions were not challenging. The RC passages were not difficult to follow and were of shorter length than those of last year. But the RC questions involved a lot of critical thinking**

There were four RC passages, each having three questions. There was a poem of having two questions. The poem posed an Inference question. The second question based on the poem was: Which will not serve as a title to the poem?

Three of the RC passages had mainly inference based questions and vocabulary based questions — explanation or implication of a term.

One of the passages sense of self had a further application question in addition to inference questions.

The cut-off in this section is expected to be around eight marks for XLRI Bm (male candidates). There were 21 questions in decision-making (DM) section, from seven sets — each set is of three questions.

The sets were simple and easy to comprehend. The easier part, however, ended there. The questions were subjective and the answers choices were not too easy to eliminate.

This year's DM section is as difficult as it was last year. The questions that needed ranking the statements had very close choices. Careful reading was required for all the sets to avoid mistakes.

By spending about 30 to 35 minutes one would be able to attempt about 15 questions with 80 per cent accuracy.

We expect the cutoff in this section to be around eight marks for Bm programme.

The Quantitative Ability (QA) and Data Interpretation (DI) section had a mix of a few easy and mostly moderate-difficult questions. A few questions (the one on hare and tortoise, the one on time and work involving three persons, the question based on probability and a few questions from Geometry-Mensuration) turned out to be challenging and lengthy and required a thorough understanding of concepts.

In contrast to the last year, almost no question in this set required intensive calculations.

In a major departure from the pattern that XAT stuck to for the last many years, questions from Data Sufficiency (DS) were missing (test takers have become used to seeing two DS questions every year in the XAT) .

The section was similar in difficulty level compared to last year's QA-DI section, though the questions were definitely lengthier compared to last year. There were six questions from two DI sets. While the table-based set was very easy, the set involving countries and their GDP was time-consuming and had a strong flavour of reasoning too.

With the section being a notch lengthier, the number of attempts is bound to go down marginally.

The cut-off in this section for general category is expected to be around 11 marks for Bm. The section had mix of questions from areas like History, Geography, Sports, Business and Constitution.

As the section is not used for shortlisting, there will be no cut-off requirement for this section. However, those who attempted 12-13 with about 80 per cent accuracy can consider themselves to have done well.

The writer is Chief Knowledge Expert, TIME, Delhi

PUBLICATION:Pioneer
DATE:12 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

MAXI Fair kicks off at XLRI, students to study consumer behaviour

PNS ■ JAMSHEDPUR

The 41st MAXI Fair was inaugurated in XLRI by Father director P Christie, Father Jerome Cutinha, Prof. Ashish K Pani, Prof. Sanjeev Varshney, and Prof. Israel, in a ceremony hosted by the Marketing Association of XLRI (MAXI).

Throughout the day, the fairgrounds thronged with excited participants, saw Maxi Fair as a lively and entertaining breather.

XLRI became a pioneer in the field of disguised marketing research when Fr. Oswald Mascarenhas conceptualized the research and Prof. Sharad Sarin scaled it up to include the entire city of Jamshedpur in the format of MAXI Fair for the first time. Building on that formidable legacy of 40 years, MAXI Fair has stood the test of time, grown, and constantly evolved with changing trends in marketing and research.

MAXI Fair is a one of a kind concept, where disguised marketing research is conducted through gamification by students, in association with partner companies. In the past, insights from MAXI Fair have been implemented by some of the biggest names in the marketing industry such as Hindustan Unilever, ITC, Mondelez, and others in their marketing endeavours.

This year, MAXI Fair once again has five research problems from among the biggest names from diverse industries — ITC, Allied Blenders & Distillers, Polycab, Perfetti Van Melle, and Hindustan Unilever.

The team at MAXI has always striven to break the frontiers of market research and as a part of its attempt to go big with the 41st MAXI Fair, it would be undertaking its very first B2B offground research project in partnership with Hindustan Unilever that will be carried out for a duration of two months by the Research Analytics and Web wing of the Marketing Association of XLRI in collaboration with Nielsen and the XLRI marketing faculty.

Given MAXI's rich history and the special place it holds in Jamshedpur's heart, every year the city flocks to the XLRI grounds to play these games that are used for research, and also to enjoy the numerous other attractions that the fair offers.

This year, MAXI Fair would be hosting not one but two renowned comedians, Sorabh Pant, from East India Comedy label, and Kumar Varun from the Canvas Laughter Club label on Sunday. From Masterchef to Art Attack, Miss Jamshedpur to Kids Dance Show, big or small, there is something for everyone at MAXI Fair.

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 13 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

MAXI Fair receives overwhelming response

PNS ■ JAMSHEDPUR

The last day of 41st MAXI Fair was nothing short of a spectacle. People from all over the city flocked to XLRI to attend the biggest Mela of the year with an overall footfall turning out to be 10,000.

The day kick-started with Art Attack event that witnessed an overwhelming response from 250+ kids where they let their creativity run wild by awakening their inner Picasso. This was followed by the Kids Dance Show which has more than 150 (solo+ group) performances. The judges have it tough deciding the best dances amongst all the mind-boggling performances.

The fair also had stalls on food, art and craft and a gaming zone. Events like kids' fashion show, MasterChef, live art performances and a dance competition were held across 2 days.

Standup comedians- Sohrabh Pant and Kumar Varun also performed on Sunday that attracted a number of visitors.

" The fair received overwhelming response. Maxi is also working on a research project of Hindustan Unilever to launch new products in the food industry. There were several other clients too. We are thus researching talking to chefs from major hotels of the city," said Abhilash Nandy, secretary of Maxi.

The Marketing Association of XLRI, or MAXI as it's fondly known as, is the oldest committee on campus. Established forty-six years ago, in 1971, MAXI's mandate has been simple - to popularize the field of Marketing at XLRI and ensure that fun and quirkiness are an integral part of the entire process.

This is achieved through a mix of competitive events, talks, interaction sessions, conferences and of course, the world-renowned MAXI Fair. It is often said that Marketing is something that needs to be experienced rather than studied, and MAXI uses this as one of its guiding principles.

All events conducted by MAXI are designed to give students a deep, working insight into what Marketing is really about. MAXI is possibly the best-known and most respected committee, both within and outside XLRI.

This standing is a result of constant innovation - be it in the more famous form of MAXI Fair, or other initiatives like Mindscapes - India's first seminar on the applications of Behavioral Research in Marketing.

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 23 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI features in top 30 global business schools

PNS ■ JAMSHEDPUR

XLRI — Xavier School of Management has featured in the first edition of Positive Impact Rating 2020, launched at the World Economic Forum in Davos on Wednesday.

The Positive Impact Rating (PIR) is a radically new student-based rating measuring the positive impact of business schools. It aims to change the thrust of existing rankings from leading schools to be the best in the world to be the best for the world. It addresses the ongoing critique of existing rankings to support mainly economic and selfish goals of already privileged actors, without reflecting the schools' role as an important social actor.

The Positive Impact Rating was initiated in 2017 by a large global group of academics and institutional leaders from the management education field (GRLI, PRME, HESI, GBSN) with the intention to support fundamental change in the business school sector with regards to the schools' societal responsibility and impact.

It is the first time that students around the world assess their business schools on how they perceive their positive impact in the world. The positive impact of business schools goes beyond their contribution to business and the economy; it addresses the need for their positive impact for society.

The purpose of this PIR 2020 is to measure how business schools contribute to solving societal challenges by energizing the school and its culture, by educating current and future leaders, by providing relevant research results and offers for continuing education, by participating in the public debate and by being a role model institution. Fr. P. Christie, director, XLRI commented, "We are happy to see that XLRI has featured in the list of 30 leading Global Business Schools in the First Edition of Positive Impact Report 2020. This PIR rating would inspire us to work more diligently towards attaining our Vision and Mission. Millennial B-School students have clearly expressed their views on the importance of Positive Impact on society at large. This benign realization marks a paradigm shift and would foster a collaborative ecosystem and make the process of management education more meaningful and purpose-oriented."

In fact, XLRI's tagline - For the Greater Good is a constant reminder to all our stakeholders of why we exist and how XLRI can be a force for greater common good in shaping the management education sector and the community at large.

"Encouraging whole-person growth across intellectual, social, emotional and spiritual levels are important aspects of XLRI's DNA. For over seven decades we have been consciously working upon these four aspects through our teaching, culture, curriculum, and interaction with each other to help realize our vision to be an institution of excellence, nurturing responsible global leaders for the greater common good and a sustainable future", he added.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 6 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 19

जैट. परीक्षा के समय में हुई कटौती, इस बार साढ़े तीन के बजाय तीन घंटे का हुआ एग्जाम

वर्बल एबिलिटी व रीजनिंग थे कठिन

लाइफ रिपोर्टर @ जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ समेत देश के 150 बिजनेस स्कूलों में एडमिशन के लिए होने वाली जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट (जैट) की परीक्षा रविवार को हुई. यह तीसरा मौका है जब जैट की परीक्षा को ऑनलाइन किया गया. इसके लिए देश के कुल 46 शहरों में परीक्षा केंद्र बनाये गये थे. एक्सएलआरआइ की ओर से परीक्षा को सफलता पूर्वक आयोजित करवाने के लिए परीक्षा आयोजन समिति से एक एजेंसी के साथ करार किया था. जमशेदपुर में इस परीक्षा के आयोजन को लेकर तीन परीक्षा केंद्र बनाये गये थे. डीबीएमएस करियर एकेडमी, अल कबीर पॉलिटेक्निक और नेशनल लाइवे स्थित आयोन को परीक्षा केंद्र बनाये गया था. इस बार परीक्षा पैटर्न में आंशिक बदलाव किया गया था.

कुल 99 सवाल को हल करने के लिए 180 मिनट दिये गये थे. जैट की परीक्षा को 2 पार्ट में बांटा गया था. पार्ट 1 को तीन सेक्शन में बांटा गया था. जिसमें वर्बल एंड लॉजिकल एबिलिटी, डिसिजन मेकिंग और क्वांटिटिव एबिलिटी एंड डाटा इंटरप्रेटेशन के सवाल पूछे गये थे. उक्त तीनों सेक्शन को हल करने के लिए कुल 165 मिनट दिये गये थे.

इस पार्ट में कुल 74 प्रश्न थे. वर्बल एंड लॉजिकल एबिलिटी के 26, डिसिजन मेकिंग के 21 जबकि क्वांटिटिव एबिलिटी एंड डाटा इंटरप्रेटेशन के कुल 27 प्रश्न पूछे गये थे. परीक्षार्थियों के अनुसार जैट की परीक्षा में इंग्लिश काफी टफ माना जाता है, यह मान्यता इस बार भी रही. हालांकि मैथ व क्वांटिटिव एबिलिटी के सवाल अपेक्षाकृत आसान था. पार्ट 2 में 25 प्रश्न जेनरल नॉलिज से पूछे गये थे. इसके लिए कुल 15 मिनट का समय दिया गया था. इस बार इसमें पार्ट में एक बदलाव किया गया था. अब तक इस पार्ट में विद्यार्थियों को निबंध भी लिखना पड़ता था, लेकिन इस बार निबंध लेखन को हटा दिया गया था.

31 जनवरी को जारी होगा रिजल्ट

रविवार को हुई जैट की परीक्षा में बिजनेस मैनेजमेंट के कुल 180 और ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट के कुल 180 सीटों के लिए परीक्षा हुई. इस परीक्षा में शामिल होकर परीक्षार्थियों को न सिर्फ एक्सएलआरआइ जमशेदपुर बल्कि एक्सआइएमबी, एसपीजेआइएमआर, एक्सआइएसएस, एक्सआइएमइ, आइएमटी गाजियाबाद समेत देश के करीब 150 बिजनेस स्कूलों में दाखिले का रास्ता साफ होगा. इस बार भारत के करीब 1 लाख आवेदकों ने इस परीक्षा के लिए फार्म भरा था. जैट की परीक्षा का रिजल्ट 31 जनवरी को जारी किया जायेगा. परीक्षा का रिजल्ट जारी होने के बाद जीडी और पीआइ के बाद अंतिम रूप से चयनित उम्मीदवार के नाम की घोषणा की जायेगी.

एक्सएलआरआइ में बिजनेस मैनेजमेंट के लिए 97 जबकि एचआरएम के लिए 94 परसेंटाइल हो सकता है कट ऑफ

जैट 2020 की परीक्षा में एक्सएलआरआइ में एडमिशन के लिए बिजनेस मैनेजमेंट के कोर्स में एडमिशन के लिए कट ऑफ 97 परसेंटाइल जबकि एचआरएम में एडमिशन के लिए 94 परसेंटाइल कट ऑफ जाने की उम्मीद है. जैट के स्कोर के आधार पर ही एसपी जैन कॉलेज में भी एडमिशन मिल सकेगा.

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE:11 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE:17

एक्सएलआरआइ का 41वां मैक्सी फेयर शुरू, हजारों लोग होंगे शामिल

पांच कंपनियों के प्रॉब्लम पर होगा रिसर्च

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ में शुक्रवार की शाम मैक्सी फेयर की शुरुआत हुई. इस सालाना फेस्ट का उद्घाटन एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर क्रिस्टी ने दीप प्रज्वलित कर किया. इसके बाद मैक्सी फेयर आयोजन कमेटी के सचिव अभिलाष नंदी ने मैक्सी फेयर के गौरवमयी इतिहास से सभी को अवगत कराया. कहा कि वर्ष 1980 में इसकी शुरुआत की गयी थी. पहले मैक्सी फेयर की स्थापना प्रो शरद सरीन ने की थी.उस वक्त से लेकर अब तक हर साल इस फेयर के माध्यम से औद्योगिक सेक्टर में कंज्यूमर बिहेवियर के क्षेत्र में आने वाली विभिन्न समस्याओं को कंपनियां एक्सएलआरआइ के मैक्सी फेयर में लेकर आते हैं, यहां शहर के लोगों के चीजों को खरीदने के मामले में उनके बिहेवियर पर रिसर्च कर

कंपनियों के उक्त समस्याओं को दूर किया जाता है. एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर क्रिस्टी ने कहा कि मैक्सी फेयर जमशेदपुर के लोगों के लिए एक फेस्टिवल की तरह है. करीब 10,000 लोग इसमें शामिल होते हैं. यह एक्सएलआरआइ के साथ ही देश के किसी भी बिजनेस स्कूल का सबसे बड़ा फेयर है.

इन कंपनियों के प्रॉब्लेम पर होगा रिसर्च: आइटीसी,एचयूएल, एबीडी,पॉली कैब व प्रेसेटिवेनेले.

होगा इंटरटेनमेंट का फुल डोज : एक्सएलआरआइ की ओर से हर साल होने वाले उक्त मार्केटिंग फेस्ट को इस बार यूनिक बनाने की कोशिश की गयी है. खेल-खेल के दौरान कंज्यूमर बिहेवियर को परखा जायेगा. साथ ही इसमें इंटरटेनमेंट की पूरी व्यवस्था की गयी है. दिन भर अलग-अलग इवेंट चलते रहेंगे जिसमें फैशन शो, डांस, केटीबी राइड समेत कई अन्य प्रतियोगिता भी आयोजित होंगे. जिसके विजेताओं को भी पुरस्कार दिया जायेगा. जानकारी के अनुसार इस बार करीब 7000 पास बेचे गये हैं.

बच्चों के मनोरंजन के थे पूरे इंतजाम. एक्सएलआरआइ के विद्यार्थियों की ओर से अलग से कई स्टॉल लगाये गये थे. छोटे बच्चों के लिए झुले लगाये गये हैं.

कॉमेडियन सौरभ पंत व कुमार वरुण गुदगुदायेंगे : मैक्सी फेयर का समापन रविवार को होगा. रविवार की शाम को कॉमेडियन सौरभ पंत व कुमार वरूण अपनी कॉमेडी के माध्यम से शहर के लोगों को गुदगुदायेंगे.

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE:13 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 7

कॉमेडियन सौरभ पंत और कुमार वरुण ने खूब हंसाया

एक्सएलआरआइ : 41वें मैक्सी फेयर का समापन

वरीय संवाददाता ▷ जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ में शनिवार को शुरू हुए 41वें मैक्सी फेयर का समापन रविवार की शाम हो गया. मौके पर इस्ट इंडिया कॉमेडी के फाउंडर सौरभ पंत व कैनवास लाफ्टर क्लब के कुमार वरुण पहुंचे थे. सौरभ पंत की टीका-टिप्पणियों पर एक्सएलआरआइ के विद्यार्थियों के साथ-साथ शहर के लोगों ने जमकर ठहाके लगाये. पंत ने रिश्तों, यात्राओं, समुदायों, नेताओं और हालात पर मजाकिया लहजे से अपनी बातें कहीं, जिसे सुन विद्यार्थी लोटपोट हो गये. कुमार वरुण ने भी फिल्मों के साथ ही नेता व देश के मौजूदा हालात पर टिप्पणी कर लोगों को हंसाया. इससे पूर्व मैक्सी फेयर में सुबह से ही अलग-अलग इवेंट होते रहे. आयोजन समिति की ओर से रविवार को हेल्दी फैमिली के साथ ही बच्चों के लिए डांस कंपीटीशन का आयोजन किया गया था. साथ ही बच्चों के मनोरंजन के भरपूर इंतजाम किये गये थे. हालांकि इस बार पूर्व की तुलना में फुटफॉल कम रहा. दो दिनों तक मेले में शहर के लोगों की कंज्यूमर बिहेवियर पर रिसर्च किया गया. उक्त रिसर्च के डाटा को कंपाइल करने के बाद उन कंपनियों को सौंपा जायेगा जिन्होंने अपनी प्रॉब्लम एक्सएलआरआइ टीम को दी थी. रविवार को नौनिहालों ने डांस के साथ ही हैप्पी फैमिली हेल्दी जमशेदपुर का भी आयोजन किया गया. जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. इस बार मैक्सी फेयर में आम लोगों के बिहेवियर के अलावा खास तौर पर दो महीने के लिए विभिन्न कंपनियों की प्रॉब्लेम पर एक्सएलआरआइ के विद्यार्थी रिसर्च करेंगे और उनकी समस्या का समाधान ढूंढ कर उन्हें देंगे. रविवार की शाम सौरभ पंत ने लोगों से अपील की कि हम सब दूसरे लोगों का मजाक उड़ाते हैं लेकिन हमें दूसरों के अच्छे काम पर उनकी तारीफ करना, उन्हें सराहना नहीं भूलना चाहिए. जब भी कोई इंसान अच्छा काम करे उसे उसके लिए तारीफ मिलनी चाहिए. उन्होंने कहा कि लोगों को हंसाना एक गंभीर प्रोफेशन है.

मैक्सी फेयर में द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी ने चलाया जागरूकता अभियान

- लोगों को स्वास्थ्य समस्याओं व गंभीर बीमारियों से निबटने के दिये टिप्स

जमशेदपुर. बीमा कंपनी द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी ने एक्सएलआरआइ मैक्सी फेयर-2020 में हिस्सा लेकर लोगों

के बीच स्वास्थ्य जागरूकता का अभियान चलाया. खेल रूपी प्रश्नोत्तरी के माध्यम से लोगों से उनकी जीवन शैली से जुड़े कुछ सवाल पूछे गये और उन्हें उनके वर्तमान स्वास्थ्य की स्थिति एवं भविष्य में आनेवाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से अवगत कराया गया. स्वास्थ्य जागरूकता शिविर में लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गयी और उन्हें उपहार भी दिया गया. कंपनी के वरीय मंडल प्रबंधक सोनल टेटे ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को यह बताना है कि वे अपने दैनिक जीवन को किस प्रकार संयमित रख सकते हैं. उनमें मामूली बदलाव एवं सुधार कर अपने आप को विभिन्न बीमारियों से कैसे दूर रख सकते हैं. साथ ही वर्तमान विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, गंभीर बीमारियों, भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों से निबटने में स्वास्थ्य बीमा योजनाएं किस प्रकार आर्थिक मदद कर सकती हैं. कार्यक्रम में अधिकारियों के साथ अभिकताओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. स्वास्थ्य शिविर के आयोजन में मेडिका ग्रुप ने सहयोग किया. कार्यक्रम की रचना एवं मार्गदर्शन वरीय मंडल प्रबंधक सोनल टेटे ने किया. कार्यक्रम का संयोजन व संचालन राजेश पांडेय ने किया. आयोजन में अमित कुमार, पंकज कुमार, सुब्रत कुंडू, बाहा उरांव, अमर लाल एवम पवन पासवान समेत सभी शाखा कार्यालयों ने हिस्सा लिया. इसमें अभिकर्ता समूह से अरविंद कुमार, रंजय कुमार, विप्लव डे, गौरव सिंघल आदि प्रतिनिधि मौजूद थे.

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE:18 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE:17

एक्सएलआरआइ में एचआर कॉन्फ्रेंस आज

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ में शनिवार से दो दिवसीय नेशनल एचआर कॉन्फ्रेंस की शुरुआत की जा रही है. जिसमें देश भर के विभिन्न कंपनियों के एचआर हेड शामिल हो रहे हैं. एक्सएलआरआइ के स्टूडेंट एसोसिएशन फॉर प्रोमोशन ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट और ह्यूमन रिसोर्स एंड इंडस्ट्रियल रिलेशन द्वारा संयुक्त रूप से उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. शनिवार को गिग इकोनॉमिक्स विषय पर चर्चा की जायेगी. इस टॉपिक पर चर्चा के लिए अभिजीत भादुरी एंड एसोसिएशन के फाउंडर अभिजीत भादुरी, आइटीसी के हेड कॉरपोरेट एचआर अमिताभ मुखर्जी, रिलायंस इंडस्ट्रीज के वीपी एचआर अरविंद सुब्रह्मणयम, टाइटन इंडस्ट्रीज के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राज नारायण, इंफोसिस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट शर्मिष्ठा चटर्जी और टाटा स्टील के वीपी एचआर सुरेश दत्त त्रिपाठी उपस्थित रहेंगे. जबकि दूसरे दिन के लिए भी कई दिग्गज इसमें शामिल हो रहे हैं.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 19 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआइ. गिग इकोनॉमी पर पैनल डिस्कशन, बोले वीपी सुरेश दत्त त्रिपाठी

खत्म हो जायेगा परमानेंट जॉब का कॉन्सेप्ट

वरीय संवाददाता ▷ जमशेदपुर

मरीन ड्राइव स्थित एक्सएलआरआइ में शनिवार को गिग इकोनॉमी पर पैनल डिस्कशन हुआ. इस दौरान वीपी एचआर टाटा स्टील सुरेश दत्त त्रिपाठी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी एक जगह बहुत दिनों तक रहना नहीं चाहती. उसे वैरायटी चाहिए. इसलिए परमानेंट जॉब का कॉन्सेप्ट खत्म हो जायेगा. हालांकि कुछ जॉब परमानेंट रहेंगे. नये लोगों की मानसिकता बदल रही है. वे एक जगह दस साल तक काम करना नहीं चाहते. इसलिए नयी पीढ़ी के साथ परमानेंसी ऑफ जॉब बदल जायेगा. आज से पंद्रह-बीस साल बाद ऑर्गेनाइजेशन का जो शेप होगा, रिक्वायरमेंट, पॉलिसी होगी वह बहुत डिफरेंट हो जायेगी. क्योंकि लोगों की रिक्वायरमेंट अलग होगी. रिक्वायरमेंट पहले आयेगी, बाद में कानून बनेगा.

अलग हो जायेगी स्किल की रिक्वायरमेंट : डिजिटल वर्ल्ड और टेक्नोलॉजी में बहुत सारे काम जो आज हाथ से (मेन्युअली) हो रहे हैं, उसे रोबो करेगा. तो जॉब के स्किल रिक्वायर्ड बदल जायेंगे. जॉब नहीं खत्म होंगी, स्किल की रिक्वायरमेंट अलग हो जायेगी. नये जॉब क्रिएट होंगे. आइटी इंडस्ट्री शुरू होने पर कहा जा रहा था कि कंप्यूटर के आने पर बहुत सारे जॉब खत्म हो जायेंगे. लेकिन जॉब उल्टा बढ़ गया. रोबो या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने से भी कुछ ऐसा ही हो सकता है.

नयी स्किल आयेगी : रोबो के आने से आज के बहुत सारे जॉब की स्किल रिक्वायरमेंट खत्म हो जायेगी. किसी को अगर मैन्युअली कोई चीज देखना है तो वह रोबो कर देगा. वर्कर को तो आठ घंटे के बाद रिलीफ चाहिए. लेकिन रोबो तो 24 घंटा 365 दिन काम करेगा. लेकिन इनको (रोबो) मेंटेन करने के लिए नयी स्किल आयेगी. रोबो को मेंटेन करने के लिए वह जरूरी होगा. उसकी कैपेसिटी, इंटेलिजेंस बढ़ाने के लिए सॉफ्टवेयर बनेगा. तब उस तरह के जॉब आ जायेंगे.

टैलेंट को वरीयता देने का समय : उन्होंने कहा कि पहले सीनियर व्यक्ति (लीडर) को हर चीज पता होती थी. लेकिन सीनियर के पास आइडिया तो होता है, काम तो जूनियर ही करता है. क्योंकि उसे काम के बारे में पता होता है. उदाहरण के लिए घर में टीवी या फ्रीज लेना है तो पिता से ज्यादा बच्चे को पता होता है. वे ऑनलाइन भी चीजें मंगा लेते हैं. इसलिए उसे काम करने देना चाहिए. इसलिए लीडर का रोल बदलना चाहिए. यह टैलेंट को वरीयता देने का समय है. जरूरी नहीं कि हर काम इंप्लाइ से ही करवाया जाये. कई काम बाहर के लोगों से भी करवाया जा सकता है. उन्होंने वर्क कल्चर पर भी बल दिया. कहा कि ऐसा किया जाना चाहिए जिससे इंप्लाइ का आइडिया बाहर आये. उसे कंपनी के हित में इस्तेमाल किया जा सके. यानी वर्क कल्चर बदलने की जरूरत है.

वीमेन वर्कर के पार्टिसिपेशन पर विचार

वीपी सुरेश दत त्रिपाठी ने कहा कि कंपनी वीमेन वर्कर के पार्टिसिपेशन की दिशा में सोच रही है. लेकिन कानून आड़े आ रहा है. वीमेन वर्कर को रात्रि दस से सुबह छह बजे तक काम नहीं करवा सकते. यह कानून कहता है. हालांकि कई राज्यों में यह कानून बदल गया है. हमलोगों ने भी कानून में बदलाव के लिए रिक्वेस्ट किया है. शिफ्ट वाले काम में वीमेन वर्कर को नहीं रखा जा सकता. वर्योंकि उन्हें तीनों शिफ्ट में काम करना पड़ेगा. दो शिफ्ट में करने से भी नहीं होगा. इसलिए हमारे पास लिमिटेशन हो जाता है. जबकि कई वीमेन वर्कर काम करना चाहती है. महिलाएं फोकस होकर काम करती हैं. उसके आने से प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी. उसे देखकर अन्य लोग भी अच्छा काम करेंगे.

हमेशा रहेंगे नॉन कोर जॉब

श्री दत ने कहा कि दो तरह के कांट्रैक्टर वर्कर्स होते हैं. एक वे जो कांट्रैक्टर के साथ इनरॉल्ड हैं. दूसरा, जिन्हें कांट्रैक्टर डेलीवेसिस पर लाता है. ऐसे वर्कर का कोई ऑर्गेनाइजेशन नहीं है. कंपनी के पास कांट्रैक्टर वेंडर्स हैं. इनके थ्रू वर्कर आते हैं. टाटा स्टील आदमी का कांट्रैक्ट नहीं करती, जॉब का कांट्रैक्ट करती है. इस कारण कंपनी के वर्कर की संख्या कम हो रही है. 75 हजार से घटकर 30-35 हजार वर्कर रह गये. इसे इस तरह समझा जा सकता है, घर में एसी मेंटेन करने के लिए हमलोग एनुअल कांट्रैक्ट देते हैं. क्योंकि उनके पास एक्सपर्टीज अच्छे हैं. इस तरह के बहुत सारे जॉब हैं जो प्लांट देता है. इस तरह के जॉब हमेशा रहेंगे. ये कांट्रैक्ट वर्कर हैं. इसे नॉन कोर जॉब कहा जाता है. कंपनी कांट्रैक्ट वर्कर एरिया में कुछ ऐसा कर रही है जो कि आने वाले समय में कानून का शक्ल लेगा. यह कांट्रैक्ट वर्कर के दृष्टिकोण से अच्छा हो जायेगा. अभी एनटीटी बन रहा है. कंपनी और यूनियन ने मिलकर नयी एनटीटी बनाने का फैसला लिया है. इस दिशा में काम हो रहा है.

पैनल डिस्कशन में एक्सपर्ट्स ने रखी राय : पैनल डिस्कशन में टाइटन इंडस्ट्रीज के सीनियर वीपी व एचआरओ राज नारायण, इंफोसिस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एचआरडी शमिता चटर्जी, कॉरपोरेट ह्यूमन रिसोर्सेस आइटीसी हेड अमिताभ मुखर्जी, रिलाइंस इंडस्ट्रीज के एचआर वाइस प्रेसिडेंट अरविंद सुब्रमिन्यण, अभिजीत भादुड़ी एंड एसोसिएट्स के फाउंडर अभिजीत भादुड़ी, एक्सएलआरआइ से यंग अचीवर अवार्ड से सम्मानित गौतम घोष ने भाग लिया. सभी ने अपनी-अपनी बात रखी. टैलेंट मैनेजमेंट पर कार्यशाला भी चली.

बदल जायेगा ह्यूमेन रिसोर्स : इससे पहले एचआर कॉन्फरेंस में अभिजीत भादुड़ी ने वर्क, वर्कर, वर्कप्लेस मॉडल को सामने रखा. उन्होंने कहा कि पहले एक काम को कई लोग मिलकर करते थे. अब छोटी सी मशीन सारा काम कर दे रही है. इस तरह वर्कर बदल गये हैं. आज तो वर्कप्लेस की जरूरत ही नहीं रह गयी है. इन तीनों को ह्यूमेन रिसोर्स संभालता है. यह बदल रहा है तो स्वाभाविक रूप से ह्यूमेन रिसोर्स भी बदल जायेगा.

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE:20 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE:6

एक्सएलआरआइ में नौवें नेशनल एचआर कॉन्फ्रेंस का समापन, एक्सएलआरआइ की टीम बनी विजेता

2025 तक इंसान का 52 फीसदी काम मशीन करेगी छह करोड़ नौकरियां जायेंगी, तो 13.2 करोड़ आयेंगी

वरीय संवाददाता ▷ जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ में चल रहे दो दिवसीय नेशनल एचआर कॉन्फ्रेंस का समापन रविवार को हुआ. रविवार को कॉन्फ्रेंस की शुरुआत एक पैनल डिस्कशन के साथ हुई. इसमें डियाजीयो के वीपी एचआर अमृत अय्यमा, फ्लिपकार्ट के पूर्व एचआर कंसल्टेंट गौतम घोष, केपीएमजी के सीनियर एसोसिएट डायरेक्टर शाहिल नावर, पीरामल फर्मा सॉल्यूशन के एचआर इंडिया शिवादित्य बनर्जी, टाटा मोटर्स के प्लांट हेड विशाल बादशाह समेत कई अन्य ने हिस्सा लिया.

पैनल डिस्कशन में मुख्य रूप से वैश्विक स्तर पर बदलते दौर में डिटिजल मार्केटिंग या फिर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वजह से विभिन्न सेक्टर में आये बदलाव की जानकारी दी गयी. बताया गया कि यह सही बात है कि इंटरनेट क्रांति के युग में तेजी से खरीदारी के तौर-तरीकों में बदलाव आया है, लेकिन इससे नौकरी पर

एक्सएलआरआइ में आयोजित सेमिनार में उपस्थित विभिन्न कंपनियों व एचआर व अन्य.

खुद को अपडेट रखने की है जरूरत

बताया गया कि आने वाले दिनों में कुशल कामगारों की आवश्यकता तेजी से बढ़ेगी. फिलहाल जो लोग किसी रोजगार में लगे हुए हैं, तो उन्हें खुद को समय के साथ री-स्किल और रिट्रेन करने की आवश्यकता होगी. अगर वे अपडेट नहीं होंगे और उन्हें नये कार्य नहीं आते रहेंगे, तो उन्हें अपना रोजगार खोना पड़ सकता है. अब वर्क प्लेस का माहौल भी बदल रहा है. अब अगर आपका आउटपुट बेहतर है, तो आप कंपनी में बने रह सकते हैं, वरना इस तरह का माहौल है कि पुअर परफॉर्मर को नहीं ढोया जा रहा.

किसी प्रकार की कोई आफत नहीं आने वाली है. फ्लिपकार्ट के पूर्व एचआर कंसल्टेंट गौतम घोष ने बताया कि आमतौर पर लोगों में यह धारणा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जब मशीनों की कार्यक्षमता बढ़ जायेगी, तो लोगों को अपने रोजगार खोने पड़ेंगे. ड्राइवर से लेकर डेटा एंट्री ऑपरेटर्स को बड़ी संख्या में अपनी नौकरियां खोनी पड़ेंगी, लेकिन यह बिल्कुल गलत बात है.

बताया गया कि वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम की सालाना रिपोर्ट में कहा गया है कि इंसान का करीब 52 फीसदी काम मशीनें करने लगेंगी. अभी इंसान के कुल काम का केवल 29 प्रतिशत कार्य मशीनें करती हैं. इस दौरान बताया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आने के बाद पूरी दुनिया में 7.5 करोड़ लोगों को अपनी नौकरियां खोनी पड़ेंगी, लेकिन करीब 13.2 करोड़ नयी नौकरियों का सृजन होगा.

इस मौके पर टाटा मोटर्स के प्लांट हेड विशाल बादशाह ने भी कहा कि टाटा मोटर्स हैवी ह्यीकल बनाती है, लेकिन वहां भी आर्टिफिशियल एटिलीजेंस का इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन इससे लोगों को किसी भी प्रकार से डरने की आवश्यकता नहीं है. किसी का रोजगार नहीं छिनने जा रहा है. उन्होंने कहा कि इससे काम में परफेक्शन बढ़ेगा.

एक्सएलआरआइ की टीम बनी विजेता : पैनल डिस्कशन के बाद देश के विभिन्न बिजनेस स्कूल के विद्यार्थियों के बीच पुरस्कार का वितरण किया गया. एचआर ट्राइवर्लोन में एक्सएलआरआइ की टीम विजेता, जबकि आइआइएम वाइजैक की टीम उपविजेता बनी. वहीं, दूसरी ओर बैटल ऑफ एचआर रॉयल में एक्सएलआरआइ की टीम को विजेता, जबकि दिल्ली की फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की टीम को उपविजेता का खिताब दिया गया. रविवार को विभिन्न बी स्कूलों के बीच एचआर कंपीटीशन का भी आयोजन किया गया, जिसमें एक लाख रुपये की प्राइज मनी दिया गया. इसमें एमडीआइ गुरुग्राम की टीम अव्वल रही. रविवार की देर शाम कार्यक्रम का समापन किया गया.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 23 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

वर्ष 2020 में वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम दावोस में जारी की रेटिंग

एक्सएलआरआइ दुनिया के टॉप 30 पॉजिटिव रेटिंग वाले संस्थान में शामिल

मुख्य संवाददाता ▷ जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ (जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट) ने अब ग्लोबल स्तर पर नया मुकाम हासिल किया है. वर्ष 2020 में एक्सएलआरआइ को दुनिया के टॉप पॉजिटिव रेटिंग वाले संस्थानों में टॉप 30 में स्थान हासिल किया है. बुधवार को वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम दावोस में इस बाबत रेटिंग जारी की है. नये पोजिशन को लेकर स्टूडेंट को फोकस करते हुए यह रेटिंग तैयार की गयी थी.

इससे सामाजिक परिदृश्य में समाज पर सकारात्मक असर डालने के साथ-साथ में कौन सा संस्थान दुनिया में श्रेष्ठ हो सकता है. रेटिंग में यह अध्ययन किया कि ये संस्थान किस तरह अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करके दुनिया में सकारात्मक प्रभाव डालने में सफल हो रहे हैं. संस्थान के स्तर से उक्त प्रयास से देश-दुनियाभर के व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ाने के साथ-साथ ही कंपनियों के साथ देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण कदम होगा.

> पॉजिटिव रेटिंग में एक्सएलआरआइ को 30 लीडिंग बिजनेस स्कूलों में शुमार होना खुशी का पल और गर्व की भी बात है.
>
> **फादर पी क्रिस्टी,** निदेशक, एक्सएलआरआइ जमशेदपुर

तीन वर्ष पूर्व इस प्रकार की रेटिंग की हुई थी शुरुआत

पॉजिटिव इंपैक्ट रेटिंग (पीआइआर) की तीन वर्ष पूर्व 2017 में इसकी शुरुआत हुई थी. इसमें प्रबंधन के विश्वस्तरीय संस्थाओं व इंस्टीट्यूशन मिलकर अब बिजनेस स्कूल सेक्टर में आधारभूत और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए आगे आये थे.

कॉलेज में प्रिंसिपल की नियुक्ति की विश्वविद्यालय की टीम ने की जांच

जमशेदपुर. डीबीएमएस बीएड कॉलेज में प्रिंसिपल की नियुक्ति की जांच का आदेश राजभवन ने दिया है. सूत्रों के अनुसार कॉलेज की शिक्षिका मधुमिता कुमारी और सपना कुमारी राय ने प्रिंसिपल जूही समर्पिता की नियुक्ति में नियमों की अनदेखी किये जाने की शिकायत राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू से की थी. कोल्हान विवि को जांच कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया गया है. राजभवन के आदेश के विवि की एक टीम बुधवार को कॉलेज पहुंची और कागजात की जांच की. वहीं, डीबीएमएस बीएड कॉलेज की प्रिंसपल का पक्ष लेने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो पायी.

- छह माह पूर्व हुई थी नियुक्ति नियुक्ति में नियमों की अनदेखी व गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए की गयी थी शिकायत

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 23 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI features in top 30 global business schools in Positive Impact Rating

Mail News Service

Jamshedpur, Jan 22 : XLRI-Xavier School of Management has featured in the first edition of Positive Impact Rating 2020, launched at the World Economic Forum in Davos on Wednesday.

The Positive Impact Rating (PIR) is a radically new student-based rating measuring the positive impact of business schools. It aims to change the thrust of existing rankings from leading schools to be the best in the world to be the best for the world.

It addresses the ongoing critique of existing rankings to support mainly economic and selfish goals of already privileged actors, without reflecting the schools' role as an important social actor.

The Positive Impact Rating was initiated in 2017 by a large global group of academics and institutional leaders from the management education field (GRLI, PRME, HESI, GBSN) with the intention to support fundamental change in the business school sector with regards to the schools' societal responsibility and impact.

It is the first time that students around the world assess their business schools on how they perceive their positive impact in the world. The positive impact of business schools goes beyond their contribution to business and the economy; it addresses the need for their positive impact for society.

The purpose of this PIR 2020 is to measure how business schools contribute to solving societal challenges by energizing the school and its culture, by educating current and future leaders, by providing relevant research results and offers for continuing education, by participating in the public debate and by being a role model institution.

Fr. P. Christie, director, XLRI commented, "We are happy to see that XLRI has featured in the list of 30 leading Global Business Schools in the First Edition of Positive Impact Report 2020. This PIR rating would inspire us to work more diligently towards attaining our Vision and Mission. The millennial B-School students have clearly expressed their views on the importance of Positive Impact on society at large. This benign realization marks a paradigm shift and would foster a collaborative ecosystem and make the process of management education more meaningful and purpose-oriented."

In fact, XLRI's tagline - For the Greater Good is a constant reminder to all our stakeholders of why we exist and how XLRI can be a force for greater common good in shaping the management education sector and the community at large.

"Encouraging whole-person growth across intellectual, social, emotional and spiritual levels are important aspects of XLRI's DNA.

For over seven decades we have been consciously working upon these four aspects through our teaching, culture, curriculum, and interaction with each other to help realize our vision to be an institution of excellence, nurturing responsible global leaders for the greater common good and a sustainable future", he added.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 6 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE:12

Aspiring managers appear in XAT 2020

Mail News Service

Jamshedpur, Jan. 5: Thousands of aspiring managers from the city appeared for the XAT (Xavier Admission Test), 2020, conducted by XLRI along with their counterparts from various centres across the country. The pattern of the paper was similar like last year with a general knowledge section. The first paper with 84 questions in quantitative ability, verbal ability and reasoning and decision making had to be answered in 2 hrs 20 mins while the general knowledge section with 30 questions was given 40 minutes. XLRI added general knowledge a couple of years ago to choose its students from general streams rather than only engineers.

The test was conducted across three centres in the city -DBMS English School, Al Kabir Polytechnic, TCS-Ion on NH-33. In total there were over 65,000 students that appeared in 229 across 79 cities in the country. About 1100 students appeared in Jamshedpur.

The pattern of the paper was somewhat different from last year. The exam is comprised of two papers- Paper I which is also the main paper had 74 questions divided into three sections- English and logical reasoning; decision making and third section being quantitative ability and data interpretation. Paper II was general knowledge section with 25 questions. The total time allotted for XAT was three hours starting from 9:30 am to 12:30 pm. There was a 0.25 marks negative marking for wrong answers.

Students in Jamshedpur said that the paper was moderate with quantitative ability being easier as compared to English. Overall, students who appeared in the city based centres said that English was the most difficult part as compared to quantitative ability and decision making.

XLRI conducts the XAT exam on behalf of XAMI for more than 60 years at all India level. Besides XLRI, the XAT score is used by more than 150 institutes for the admission across India. Since 2018, the XAT has adopted the online test mode. From 2020, XAT has increased the number of examination centres. XAT 2020 would be conducted from 72 centers all across India that will include the following cities -

Agra, Ahmedabad, Allahabad, Ambala, Amravati, Amritsar, Bengaluru, Berhampur, Bhatinda, Bhilai Nagar, Bhopal, Bhubaneswar, Bokaro Steel City, Chandigarh/Mohali, Chennai, Coimbatore, Cuttack, Dehradun, Delhi-NCR, Dhanbad, Dibrugarh, Durgapur/Asansol, Ernakulam, Gandhinagar, Goa, Gorakhpur, Guwahati, Gwalior, Hooghly, Hubballi(Hubli), Hyderabad, Indore, Jabalpur, Jaipur, Jammu, Jamshedpur, Kannur, Kanpur, Kolkata, Kota, Kottayam, Kurnool, Kurukshetra, Lucknow, Ludhiana, Madurai, Mangalore, Mumbai, Mysuru(Mysore), Nagpur, Nashik, Patna, Pune, Raipur, Rajahmundry, Ranchi, Roorkee, Rourkela, Sambalpur, Siliguri, Surat, Thiruvananthapuram, Tiruchirappalli, Tirupathi, Tiruvallur, Udaipur, Udupi, Vadodara, Varanasi, Vijayawada, Visakhapatnam.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE:12 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

41st MAXI Fair kicks off at XLRI, Stand-up comic Sorabh Pant to perform

Students to research on problems of five companies

Mail News Service

Jamshedpur, Jan 11: The 41st MAXI Fair was inaugurated in XLRI by Father director P Christie, Father Jerome Cutinha, Prof. Ashish K Pani, Prof. Sanjeev Varshney, and Prof. Israel, in a ceremony hosted by the Marketing Association of XLRI (MAXI) on Friday, January 10 evening.

Throughout the day, the fairgrounds thronged with excited participants, saw Maxi Fair as a lively and entertaining breather.

Father P Christie said, "Maxi Fair is like a festival to the citizen of Jamshedpur. Every year more than ten thousand people turn up at the fair at XLRI ground and is the biggest fair of any business school in the country."

The 41st edition of MAXI Fair is being hosted in XLRI and the Day-1 of the Mela has already won the hearts of Jamshedpur citizens. The day started with fitness event-Healthy Jamshedpur, Happy Jamshedpur that saw participation of 60+ families with some early morning Zumba and health tips from Talwalkar's experts.

This was followed by Kids' Fashion Show with 85+ participants that got the city munchkins all dolled up. Next up was MasterChef hosted by Chef Wilson from The Golden Leaf Resorts who engaged the participants through interesting quizzes and cooking competition. To add to the glamour of the evening are the events Mr. & Mrs. Jamshedpur and Dance Mania each with 80+ participants.

XLRI became a pioneer in the field of disguised marketing research when Fr. Oswald Mascarenhas conceptualized the research and Prof. Sharad Sarin scaled it up to include the entire city of Jamshedpur in the format of MAXI Fair for the first time in the year 1980. Building on that formidable legacy of 40 years, MAXI Fair has stood the test of time, grown, and constantly evolved with changing trends in marketing and research.

MAXI Fair is a one of a kind concept, where disguised marketing research is conducted through gamification by students, in association with partner companies. In the past, insights from MAXI Fair have been implemented by some of the biggest names in the marketing industry such as Hindustan Unilever, ITC, Mondelez, and others in their marketing endeavours.

This year, MAXI Fair once again has five research problems from among the biggest names from diverse industries - ITC, Allied Blenders & Distillers, Polycab, Perfetti Van Melle, and Hindustan Unilever.

The team at MAXI has always striven to break the frontiers of market research and as a part of its attempt to go big with the 41st MAXI Fair, it would be undertaking its very first B2B off-ground research project in partnership with Hindustan Unilever that will be carried out for a duration of two months by the Research Analytics and Web wing of the Marketing Association of XLRI in collaboration with Nielsen and the XLRI marketing faculty.

Given MAXI's rich history and the special place it holds in Jamshedpur's heart, every year the city flocks to the XLRI grounds to play these games that are used for research, and also to enjoy the numerous other attractions that the fair offers.

This year, MAXI Fair would be hosting not one but two renowned comedians, Sorabh Pant, from East India Comedy label, and Kumar Varun from the Canvas Laughter Club label on Sunday evening. From Masterchef to Art Attack, Miss Jamshedpur to Kids Dance Show, big or small, there is something for everyone at MAXI Fair.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE:13 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

MAXI Fair recieves overwhelming response, comedians perform on last day

Mail News Service

Jamshedpur, Jan. 12: The last day of 41st MAXI Fair was nothing short of a spectacle. People from all over the city flocked down to XLRI to attend the biggest Mela of the year with an overall footfall turning out to be 10,000.

The day kickstarted with Art Attack event that witnessed an overwhelming response from 250+ kids where they let their creativity run wild by awakening their inner Picasso. This was followed by the Kids Dance Show which has more than 150 (solo+ group) performances. The judges have it tough deciding the best dances amongst all the mind-boggling performances.

The fair also had stalls on food, art and craft and a gaming zone. Events like kids' fashion show, MasterChef, live art performances and a dance competition were held across two days.

Standup comedians- Sohrabh Pant and Kumar Varun also performed on

Sunday that attracted a number of visitors. " The fair received overwhelming response. Maxi is also working on a research project of Hindustan Unilever to launch new products in the food industry. There were several other clients too. We are thus researching talking to chefs from major hotels of the city," said Abhilash Nandy, secretary of Maxi.

The Marketing Association of XLRI, or MAXI as it's fondly known as, is the oldest committee on campus. Established forty-six years ago, in 1971, MAXI's mandate has been simple - to popularize the field of Marketing at XLRI and ensure that fun and quirkiness are an integral part of the entire process. This is achieved through a mix of competitive events, talks, interaction sessions, conferences and of course, the world-renowned MAXI Fair. It is often said that Marketing is something that needs to be experienced rather than studied, and MAXI uses this as one of its guiding principles.

All events conducted by MAXI are designed to give students a deep, working insight into what Marketing is really about. MAXI is possibly the best-known and most respected committee, both within and outside XLRI. This standing is a result of constant innovation - be it in the more famous form of MAXI Fair, or other initiatives like Mindscapes - India's first seminar on the applications of Behavioral Research in Marketing.

PUBLICATION: The Economic Times
DATE: 28 January 2020
EDITION: All Edition
PAGE: 16

From a Guinness Book mention till date, the national financial inclusion agenda has taken long strides. The objective now is to increase outreach and provide a basic bouquet of financial services to every individual in all corners of India

When Jan Dhan Brought a Billion Smiles

Atmadip Ray & Joel Rebello

The Indian government has made a big piece of financial history after it was confirmed today that its financial inclusion campaign has set a new record for the most bank accounts opened in one week." The world woke up to this Guinness Book of World Records pronouncement on January 20, 2015.

Indian banks opened 18,096,130 bank accounts during August 23-29, 2014, when Prime Minister Narendra Modi shifted the approach to household penetration, from opening branches in unbanked villages followed for three years prior to it.

The Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY), as the name goes, also focuses on the financially-excluded in both urban and rural areas, unlike previous schemes that concentrated on rural population."

ETPrime.com

FROM SQUARE ONE

In the first four decades of bank nationalisation, India adopted a branch-led model for financial inclusion. It was only in 2009 that banks were told to open small outlets in villages with population more than 2,000 and use the services of business correspondence for reaching out to the excluded population.

In 2012, banks started making inroads into villages with sub-2,000 population. Subsequently, they were advised to open brick-and-mortar branches in villages with more than 5,000 people. Jan Dhan is the first comprehensive project envisaging universal access to banking services and products, with at least one bank account for every household.

Total number of accounts opened under PMJDY grew to 37.83 crore, as noted on the first day of 2020, with ₹1.10 lakh crore deposits. A bouquet of products — overdraft of ₹10,000, accidental death-cum-disability insurance and term-life cover and old age pension — have been made available to Jan Dhan account holders. Focus has shifted to opening accounts for every adult.

Despite infrastructural challenges and criticisms that the lure of getting a sizeable insurance cover, accidental death benefits and overdraft facility has prompted several people to open multiple accounts in different banks, the national financial inclusion agenda has taken long strides after 2014. By the next three years, 77% of the poorest 40% in India had an account with a financial institution, the highest among BRICS countries, according to the Reserve Bank of India (RBI).

HK Pradhan, professor of finance and economics, XLRI School of Business, said, "PMJDY provided the broader ecosystem, integrating the hitherto financially-excluded households into the formal banking system. The slew of measure that followed released enormous potential for extending financial services to the poor, such as Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana and Jeevan Jyoti Bima Yojana (PMSBY and PMJJBY), Atal Pension Yojana (APY), Pradhan Mantri Mudra Yojana (PMMY)." He added, "Digitalisation of payments systems serves as a significant enabler, facilitating G2P transactions involving direct benefits. (But) reach at the last mile remains weak. Banks need to take responsibility for sustaining financial literacy programmes and grievance redressal mechanisms, particularly when digital payments are increasing."

Five years down the line, engagement of the people with the financial system remains low, as reflected in the high proportion of inactive Jan Dhan accounts. Their usage has stagnated in the past two years, as evident from the deceleration in average balances. About 41% of these accounts are not operational, perhaps because wage earners in villages are reluctant to travel far to branches for parking a meagre amount. It costs half their day and means loss of a full day's earnings.

"The number of people getting new accounts has set the foundation for financial inclusion but to take advantage of this, we have to ensure these people use their accounts to deposit and make payments," said former RBI deputy governor R Gandhi. "I think the government's proposal to do away with MDR charges will help because merchants will no longer be reluctant to use electronic payments. Yes, there is a fear that not charging the customer will disincentivise putting up new infrastructure but it will help in bringing down cost, as receiving and paying banks will both have to negotiate fees. It will have an impact similar to what happened to ATMs as banks will try to make the most of existing infrastructure. Growth could be stunted initially, but there will be consolidation later," he said.

After opening Jan Dhan bank accounts as per target, the govt now needs to propel payments from those accounts

ILLUSTRATION: ANIRBAN BOSE

Jan Dhan got a leg-up after integration with Aadhaar as banks ensured speedy seeding of numbers with a/cs

Financial Power to the People

- Total number of a/cs under PMJDY as of Jan 1, 2020: 37.83 cr
- Total deposits: ₹1.10 lakh crore
- Focus has shifted to targeting every adult, not just households
- But with low engagement with people, usage has deteriorated

AADHAAR BRINGS LIGHT

Lack of physical and digital connectivity in the hinterlands and hilly areas such as the North East, Jammu & Kashmir, Uttarakhand and Bihar, poses a major hurdle in achieving complete financial inclusion, KPMG said in a report on Jan Dhan in FY15. Technological issues that affect banks range from poor connectivity, network outage, power shortage and bandwidth problems to managing costs of maintaining infrastructure. This leaves us with the question, 'Is banks' infrastructure ready to provide facilities to the ever-growing population of India?' it asked. Unfortunately, many of these issues remain.

Jan Dhan got a leg-up after its integration with Aadhaar. Banks, which acted as registrars for Aadhaar enrolments, ensured that seeding of Aadhaar numbers in accounts has been fast for direct benefit transfer, a key goal under the project.

"Jan Dhan has helped in last-mile connectivity by linking Aadhaar. Direct benefit transfers and food subsidies are already through these accounts but there is a case for expanding it by using it for fertiliser subsidies, for instance," said Rajkiran Rai, chief executive, Union Bank of India. "The government already has land holding records and details of farmers through which it can calculate the amount of subsidies it can transfer directly to farmer accounts instead of giving it to fertiliser companies. This can also open up savings for the government from administrative costs like maintaining godowns civil supplies. As banks, we can only facilitate transactions by getting closer to people — putting up micro-ATMs, for example. We cannot force people to transact."

ROAD AHEAD

To help expand and sustain financial inclusion, which has now been part of UN Sustainable Development Goals of 2030, RBI has unveiled a National Strategy for Financial Inclusion 2019-24.

The objective now is to increase outreach by banks, payments bank, small finance banks to every village within a 5 km radius or a hamlet of 500 households in hilly areas by March 2020. The target is also to provide a basic bouquet of financial services that include a basic savings bank deposit account, credit, a micro life and non-life insurance product, a pension product and a suitable investment product to every willing and eligible adult.

The policy makers for the first time have looked beyond banks and financial intermediaries to achieve inclusive growth and included non-bank entities such as fertiliser or fair price shops, panchayat offices and educational institutions to promote efficiency and transparency, which needs to be backed by robust digital infrastructure.

PUBLICATION:The Hindu Business Line
DATE:8 January 2020
EDITION: All Edition
PAGE:7

Behind today's strike

Job losses, poor working conditions in focus

KR SHYAM SUNDAR

The 10 central trade unions and several independent federations have called for an all-India strike on January 8, to protest against the NDA government's economic and labour policies.

Significantly, the All India Kisan Sangharsh Co-ordination Committee, an umbrella platform for over 100 farmers' organisations has called for a 'Grameen Bandh' (rural strike) on the same day. The Shiv Sena is also joining the strike, unlike in the past when the NDA was in power. However, the RSS-affiliated BMS conducted nationwide agitations on January 3. Seen together, these protests would involve a huge number of workers.

The strike is taking place under a grim political and economic context. It could be seen as an articulation for an inclusive society in every sense – political, economic and the labour market.

Policy tilt

KP Kannan and G Raveendran (2019) have shown that during 2012-18, the Indian economy witnessed a transition from "jobless" to "job-loss growth" wherein the rural women workers, less educated and vulnerably placed social groups like the Muslims and the OBCs bore the brunt of job loss.

They show that the job-loss problem is largely prevalent in rural India. Owing to, and using the pretext of, the economic slowdown, many firms have reportedly laid off thousands of workers, especially contract and casual workers.

Even in these hard times, the government is actively considering privatising profit-making public sector enterprises like BPCL, corporatising ordinance factories from being a government department, expanding the automatic route in FDI to the coal sector and raising the cap on FDI in defence from the existing 49 per cent to 74 per cent, merger of banks, etc. All these could arguably have adverse implications for labour rights in general, and employment in particular. In fact, the government has asked the Department of Investment and Public Asset Management (DIPAM) to examine the issue of job-reservations for SC/ST and OBCs post-disinvestment, as the stakeholders have complained of loss of jobs for these sections of workers in the post-disinvestment scene.

The CTUs have asked for measures to combat the economic crisis by creating jobs and reviving demand; these include increasing the number of work-days under the MGNREGA from 100 to 200. Similarly, their demand for a higher minimum wage of ₹21,000 and widespread and higher social security could boost aggregate demand.

Even though workers' safety has not figured in the agenda of any trade union, and regrettably so, the rather frequent incidence of fire and other workplace accidents exposes the absence of effective governance of industries.

Dubious practices

The concern of the CTUs is not only about high and rising unemployment but perverse employment practices as well. It has been reported that firms have been employing trainees in schemes like National Employability Enhancement Mission (NEEM) during both peaceful and strike periods to do regular work.

This is akin to the judiciary's rebuke on the sham practice of engaging contract labour to deny social security and other benefits to workers. The proportion of contract workers in the total workers in the organised factor sector has increased from 13 per cent in 1993-94 to 36 per cent in 2016-17.

Trade unions need to appreciate the concerns of the industry for a genuine need for flexibility as much as the latter need to recognise that low-cost and indecent employment practices are unsustainable.

The writer is professor, XLRI, Xavier School of Management. Views are personal

PUBLICATION: The Statesman
DATE: 28 January 2020
EDITION: Kolkata
PAGE: 16

Marketing fair

The marketing association of Xavier School of Management (XLRI MAXI) recently celebrated 41 years of its flagship event— Maxi Marketing Fair. Started in 1979, this year the fair saw a host of events and competitions, attracting a footfall of over 10,000 people from Jamshedpur. Families flocked to the fairground to participate enthusiastically in events such as "Healthy Jamshedpur Happy Jamshedpur" and "Jamshedpur's Favourite Family". Over 85 kids participated in the fashion show. MasterChef hosted by Chef Wilson from The Golden Leaf Resorts— engaged the participants through quizzes and a cooking competition.

There was the art attack event that witnessed an overwhelming response, where more than 250 kids let their creativity run wild. The Kids Dance Show witnessed more than 150 performances. The two-day fair concluded with a hilarious pro-show by two comedians, Sorabh Pant, from East India Comedy label and Kumar Varun from the Canvas Laughter Club label.

PUBLICATION: The Telegraph

DATE: 6 January 2020

EDITION: Jamshedpur

PAGE: 8

XAT on Sunday

The Xavier Aptitude Test (XAT), one of the country's most prestigious B-school entrance tests, were conducted by the XLRI on Sunday. Over 65,000 aspirants sat for XAT in 229 across 79 cities in India, among which 1,200 were from Jamshedpur.

PUBLICATION: The Telegraph

DATE:13 January 2020

EDITION: Jamshedpur

PAGE: 10

XLRI's Maxi edge on brands, buyers

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: The 41st edition of the Maxi Fair, XLRI's annual two-day survey of corporate brands and consumer behaviour to know what clicks and what doesn't, ended on Sunday.

Organised by the Marketing Association of XLRI (Maxi), the fair saw over 10,000 visitors on both days.

The games this year included Khichdi; Nobita's First Day at School, Zindagi Na Milegi Dobara and others.

Nobita's First Day at School was a game designed for confectionary major Perfetti Van Melle where students had to check kids' and their mothers' choice on jellies and candies. The mother and child were separated to play games individually so that students could clock their choices separately.

"The game helped us know the candy choices of a mother and a kid, but without telling them directly about the subject of research," said Mallika Jain, a first-year business management student of XLRI.

The game Zindagi Na Milegi Dobara was designed for Allied Blenders and Distillers to find out consumer behaviour for organic liquor (whisky). Here people aged between 21 and 35 were asked to choose a character from the film Zindagi Na Milegi Dobara to know more about their behaviour and personality, shopping habits and inclinations. Consumers were also taken to a fake bar to know their drinking preferences.

Abhilash Nandy, Maxi secretary, said they were working on a research project of Hindustan Unilever to launch new products in the food industry. "We are talking to chefs from major hotels here to know consumer preferences. They (Hindustan Unilever) chose Jamshedpur because the city has a cosmopolitan crowd," he said.

The Maxi fair also had stalls on food, art and craft and a gaming zone. Events like kids' fashion show, MasterChef, live art performances and a dance contest were held across the two days. Stand-up comedians Sohrabh Pant and Kumar Varun entertained the crowd on Sunday.

Sunita Verma, a homemaker from Bagbera, said she loved coming to the Maxi fair. "I come here every year. There's so much to learn and enjoy," she said.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 17 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

How she works for a better society

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: How do women in India fare when it comes to social entrepreneurship?

XLRI students and social sector experts will discuss the diverse roles that women have played in the huge social sector at the two-day Social Entrepreneurship Conclave starting February 8, to be organised by SIGMA (Social Initiative Group for Managerial Assistance) at XLRI.

Organised for the third year, the conclave offers a platform for national and local entrepreneurs to discuss women's contribution in social entrepreneurship. The two-day event has been planned under the aegis of Madhukar Shukla, chairperson, Father Arrupe Centre for Ecology and Sustainability (FACES).

The conclave's theme is Women Changemakers in the Social Sector, which aims to celebrate, showcase, and learn from women and their ventures, and create a platform for knowledge-sharing and partnerships. While XLRI's National Entrepreneurship Conference spearheaded by Shukla was an extremely successful initiative between 2009 and 2018, XLRI students have been organising the conclave for the past three years.

Shukla said women had historically been inclined towards the social sector. "Initially women's focus area was education, but they are now taking leads in areas like waste management and environment sustainability."

The conclave will bring together about 20 social entrepreneurs from the fields of education, livelihood, environment and other areas to share their views on entrepreneurship to transform education and more.

Speakers expected at the meet are Chetana Gala Sinha, Indian social activist and founder of Mann Deshi Foundation; Aarti Mohan, co-founder, Sattva Consulting; Ashraf Patel, co-founder, Pravah & ComMutiny; Ishita Khanna, co-founder, Spiti Ecosphere.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE:20 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 11

XLRI eye on new HR trends

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: XLRI students learnt about the challenges in the country's human resources landscape at the two-day annual HR conference on the campus that concluded on Sunday.

The annual event, organised by SAPPHIRE, is aimed at providing a platform for industry bigwigs, academicians and legal practitioners to discuss and debate on HR-related challenges in India.

The theme for this year's conference was: HR personalisation: one size does not fit all.

Abhijit Bhaduri, a renowned industry expert, author and XLRI alumnus, delivered the keynote speech on Saturday. On the impact of digitalisation on organisations, he said: "Anything that has rules and is repetitive will eventually get automated."

He said the concept of workplaces was changing, which in turn is changing the definition of work. "I guess the advent of new technologies has created more job opportunities," he added.

Speakers in panel discussions included Tata Steel vice-president (HR) Suresh Dutt Tripathi, Tata Motors head of Jamshedpur plant Vishal Badshah, speaker, blogger and influencer Gautam Ghosh and VP-HR of Reliance Industries Arvind Subramaniam.

Panelists at the HR conference on XLRI campus in Jamshedpur on Saturday.
Picture by Bhola Prasad

Two workshops on talent and performance management were conducted by Titan chief human resources officer Raj Narayan and UltraTech Cement VP (learning & development) T.R. Kashyap on Saturday and Sunday.

This apart, competitive events such as Battle HRoyale, Triathlon, Case-a-thon and Employee Auction were conducted for B-school students.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 23 January 2020
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 11

Global rating pat for XLRI

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: XLRI has added another feather in its cap.

The premier B-School has featured among the top 30 business schools around the globe in the first edition of Positive Impact Rating (PIR) 2020, launched at the World Economic Forum in Davos on Wednesday.

Organised for the first time, the PIR is a radically new student-based rating to assess the positive impact of business schools. It aims to change the thrust of existing rankings of leading B-schools from being the best in the world to being the best for the world.

The Positive Impact Rating was initiated in 2017 by a large global group of academics and institutional leaders from the management education field with the intention to support fundamental change in the business school sector with regards to the schools' societal responsibility and impact.

The B-schools have been rated in five levels in the ascending order on a scale of 1-10. XLRI has found a place in level 3, which is the "progressing schools" category, by scoring between 5.9 and 7.3 points.

A total of 51 B-schools across 22 countries had taken part.

IIM-Bangalore and IIM-Calcutta were the two other institutes that participated. While IIM-B, which scored between 7.4 and 8.7 points was rated in level 4 the transforming category — IIM-Calcutta didn't feature on the top 30 list.

The other levels are level 1 (beginning), level 2 (emerging) and level 5 (pioneering).

"We are happy to see that XLRI has featured on the list of 30 leading Global Business Schools in the First Edition of Positive Impact Report 2020. This PIR rating will inspire us to work more diligently towards attaining our vision and mission," XLRI director Father P. Christie said.

"The millennial B-School students have clearly expressed their views on the importance of positive impact on the society at large. This benign realisation marks a paradigm shift and would foster a collaborative ecosystem and make the process of management education more meaningful and purpose-oriented," he added.

PUBLICATION: The Times of India
DATE: 23 January 2020
EDITION: All Edition
PAGE: 1,19

HCL Tech to double hiring

HCL Technologies, one of the fastest growing IT companies, plans to nearly double its campus recruits to 15,000 in 2020-21, from 8,600 this fiscal. This will include hiring of 500 students from premier B-schools. For management graduates from IIM-Ahmedabad, Bangalore and Calcutta, ISB, XLRI and SP Jain, HCL pays between Rs 20 lakh and Rs 23 lakh. P 19

HCL Tech to double fresher hiring

Shilpa.Phadnis
@timesgroup.com

Bengaluru: HCL Technologies, one of the fastest growing IT companies in India, plans to nearly double its campus recruits to 15,000 in the financial year 2020-21, from 8,600 this fiscal. This will include hiring of 500 students from premier B-schools.

"Beginning this fiscal, we have also increased the compensation by 15-20% for all those we take in at the management and technical cadre," said chief human resources officer Apparao V V. The bulk of the hires will get annual salaries of Rs 3.6-3.8 lakh.

For management graduates from IIM-Ahmedabad, Bangalore and Calcutta, ISB, XLRI and SP Jain, HCL pays between Rs 20 lakh and Rs 23 lakh. For those from IIM-Indore, Kozhikode and Lucknow, it pays between Rs 15 lakh and Rs 18 lakh. MBA graduates from other campuses get Rs 4.5 lakh to Rs 7 lakh.

The management graduates go through HCL's Global Engagement Manager (GEM) training programme. "Those who graduate from GEM largely get absorbed into sales and pre-sales roles. Others go into business analyst roles," said Apparao. On the technical side, IIT graduates get Rs 12-15 lakh, while those from NITs get Rs 8-12 lakh.

WHO GETS WHAT

Campus hires	3.6-3.8
IIMs, ISB	15-23
IITs	12-15
NITs	8-12

(Figures in lakhs of rupees)

HCL also hires students who have completed their 12th standard and puts them through an intensive one-year programme that includes nine months of classroom training and three months on the job. Those who pass a test also become eligible to simultaneously do engineering in BITS-Pilani.

"We need to hire them to cater to the spurt in demand. We have a strong deal pipeline," Apparao said.

Engineering graduates pay Rs 2 lakh for a six-month training programme, non-engineering graduates and post-graduates pay Rs 1 lakh for a three-month programme, and class 12 passouts pay Rs 2 lakh for a 12-month programme. The employees also sign a bond with HCL to work with the company for a certain number of years. The company says the payment and bond are necessary because the training makes the candidates very valuable to rivals.

HCL plans to expand its campus recruitment in the US too. About 67% of its US workforce now consists of locals. By the close of this fiscal, the company will have about 20,000 people in the US — about 3,000 more than what it was at the end of fiscal 2019. The plan is to hire 10-15% more next year.

"We have three campuses in the US already. We are trying to have another campus with 1,500-2,000 people. About 70% of our employees work in customer locations now. If we create our own centres, customers might find it easier to run those projects from our campuses than from their facilities. Most customers are currently in high-cost locations. If we do the work from our North Carolina or Dallas campus, it's in the same time zone as customers, but costs are 25-30% lower," Apparao said.